CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 261 ता. 27 मार्च 2021, शनिवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

तेजस्वी, तेज समेत राजद के 21 नेताओं के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

पटना। बेरोजगारी, महंगाई व भ्रष्टाचार के खिलाफ 23 मार्च को राजद की ओर से किये प्रदर्शन, हंगामा व पथराव मामले में पुलिस ने कड़ा कदम उठाया है। सरकारी कार्य में बाधा डालने, तोड़फोड़, मारपीट करने व जानलेवा हमला करने के मामले में डाकबंगला पर तैनात दानापुर की दंडाधिकारी प्रतिमा गुप्ता के बयान पर कोतवाली में जो एफआईआर दर्ज कराई गई है, उनमें हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धाराएं भी शामिल हैं। एफआईआर में तेजस्वी समेत 22 नामजद व अन्य आरोपित बनाये गये हैं। इनमें कई वर्तमान और निर्वतमान विधायक भी शामिल हैं।

इन नेताओं पर दर्ज है केस

दर्ज एफआईआर के मुताबिक मुख्य आरोपितों में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप यादव, जगदानंद सिंह, श्याम रजक, निराला यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, निर्भय आंबेडकर, आजाद गांधी, महताब आलम, प्रेम गुप्ता, भाई अरुण, रीतलाल यादव, राजेंद्र यादव, रमई राम, शक्ति यादव, अर्चना यादव, ऋतु , चेतन आनंद डॉ. गौतम कृष्ण, क्रांति सिंह, कारी सुहैब तथा 800 अज्ञात शामिल हैं।

गैर जमानतीय धारा है 307

दंडाधिकारी की ओर से आईपीसी की धारा 144, 149, 341, 342, 323, 188, 307, 333, 337, 338, 427, 353 व 304 के अलावा 51/57 डिजास्टर मैनेमेंट 2005 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। विधिक जानकारों के मुताबिक इनमें 307 हत्या के प्रयास का गंभीर मामला है और गैर जमानतीय है। इस मामले में थाने से जमानत नहीं दी जा सकती है। न्यायालय ही जमानत दे सकती है। इस केस के अनुसंधानकर्ता राजाराम यादव बनाये गये हैं। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि राजद नेता नारेबाजी करते हुए स्वामी नंदन तिराहा से डाकबंगला चौक पर आये और सड़क को जाम कर दिया।

भारत बंद : गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों ने नाच-गाकर जताया विरोध, हाईवे भी रोका

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर जारी किसान आंदोलन के चार महीने पूरे होने पर आज संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा बुलाए गए 12 घंटे के 'भारत बंद' के दौरान गाजीपुर बॉर्डर, सिंघु बॉर्डर और टीकरी बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों ने रोड जाम कर सरकार के खिलाफ हल्लाबोल रखा है। इस दौरान किसान प्रदर्शनकारियों ने जहां सुबह से ही एक बार फिर गाजीपुर बॉर्डर जाम कर दिया, वहीं किसानों ने एक ग्रुप ने यहां नाच-गाकर अपना विरोध जताया। आज के 'भारत बंद' पर भारतीय किसान यूनियन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष राजवीर सिंह जादौन ने कहा कि हमारे आंदोलन को लगभग चार महीने पूरे होने जा रहे हैं। भारत बंद में हमें लोगों, व्यापारियों, ट्रांसपोर्टर का सहयोग मिल रहा है। इससे सरकार को संदेश जाएगा। हम वार्ता के लिए 24 घंटे तैयार हैं। जानकारी के अनुसार, देश के कई हिस्सों में शुक्रवार को रेल और सड़क परिवहन के प्रभावित होने की संभावना है तथा बाजार भी बंद रह सकते हैं क्योंकि केंद्र के नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान संगठनों ने संपूर्ण भारत

बंद का आह्वान किया है। हालांकि पांच चुनावी राज्यों में यह बंद नहीं होगा। संयुक्त किसान मोर्चा के अनुसार, देशभर में राष्ट्रव्यापी बंद 26 मार्च को सुबह छह बजे से जारी है जो शाम छह बजे तक चलेगा जो दिल्ली की तीन सीमाओं-सिंघु, गाजीपुर और टीकरी पर किसान आंदोलन के चार महीने पूरे होने पर किया जा रहा है। किसान मोर्चा के नेता दर्शनपाल ने गुरुवार को एक वीडियो संदेश में कहा था कि बंद के दौरान सब्जियों और दूध की आपूर्ति भी रोकी जाएगी। मोर्चा ने एक बयान में कहा कि संपूर्ण भारत बंद के तहत सभी दुकानें, मॉल, बाजार और संस्थान बंद रहेंगे। सभी छोटे और बड़े मार्ग अवरुद्ध किए जाएंगे तथा ट्रेनों को रोका जाएगा। एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सेवाएं बंद रहेंगी। भारत बंद का प्रभाव दिल्ली में भी दिखेगा। उन्होंने आंदोलकारी किसानों से अपील की कि वे बंद के दौरान शांति बनाए रखें और किसी भी गलत चर्चा या टकराव में शामिल न हों।

वहीं, देश में आठ करोड़ व्यापारियों के प्रतिनिधित्व का दावा करने वाली कॉन्फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने कहा कि 26 मार्च को बाजार खुले रहेंगे क्योंकि वह 'भारत बंद' में शामिल नहीं है। संगठन के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि हम भारत बंद में शामिल नहीं हो रहे हैं। दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में बाजार खुले रहेंगे। जारी गतिरोध का समाधान केवल वार्ता प्रक्रिया से किया जा सकता है। कृषि कानूनों में संशोधन पर चर्चा होनी चाहिए जो मौजूदा कृषि को लाभ योग्य बना सकते हैं।

पंचायत चुनाव की तारीख घोषित

15, 19, 26 और 29 अप्रैल को होगी वोटिंग

लखनऊ। पंचायत चुनाव में आरक्षण और आरक्षित एवं अनारक्षित सीटों के आवंटन की अंतिम सूची का प्रकाशन शुरू हो गया है। गुरुवार को तमाम छोटे जिलों में जहां आपत्तियां कम थी वहां आरक्षित-अनारक्षित सीटों की अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया गया जबकि ज्यादातर बड़े जिलों में सूची को अंतिम रूप दिए जाने का कार्य देर शाम तक जारी था। शुक्रवार को इन सभी बचे हुए जिलों की ओर से भी वहां की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएंगी और कल ही सभी 75 जिलों का पूरा ब्यौरा जिलाधिकारियों की ओर से पंचायती राज विभाग को ऑनलाइन भेज भी दिया जाएगा। इसके तत्काल बाद कल ही पंचायती राज निदेशालय भी उनका परीक्षण करके देर शाम तक राज्य निर्वाचन आयोग को पूरा बरा सौंप देगा। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

26 मार्च पंचायत चुनाव की प्रक्रिया के लिए भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि बीते 15 मार्च को हाईकोर्ट द्वारा जारी आदेश के खिलाफ सीतापुर जिले के बिसवां के दिलीप कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष याचिका दाखिल कर रखी है। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार तथा पंचायती राज विभाग के साथ-साथ राज्य निर्वाचन आयोग भी पक्षकार बनाया गया है। लिहाजा भावी प्रत्याशियों के साथ-साथ उनके कार्यकर्ताओं की निगाह भी सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर लगी हुई है। हालांकि जानकारों का यह भी कहना है कि प्रदेश में प्रस्तावित पंचायत चुनाव को लेकर सरकार और आयोग ने अपनी तैयारियां पूरी कर रखी हैं।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए कड़ी जांच से गुजरना होगा, सरकार ने कहा- अब टेस्ट होगा और कठिन

नई दिल्ली। सड़कों पर सुरक्षित ड्राइविंग को ध्यान में रखते हुए सरकार लगातार कदम उठा रही है। इसके साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस के लिए भी नियमों में संशोधन किया जा रहा है। इसके तहत ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए अभ्यर्थियों को अब कड़ी जांच से गुजरना होगा। जांच में उत्तीर्ण होने के लिए उचित सटीकता के साथ गाड़ी को पीछे ले जाना अनिवार्य कर दिया गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में पास होने की प्रतिशतता 69 फीसद कर दी गई है। यदि वाहन में रिवर्स गियर है, तो चालक को इसे पीछे ले जाकर दिखाना होगा। उन्होंने कहा कि यह नियम केंद्रीय मोटर वाहन कानून, 1989 के प्रविधान के तहत है। ड्राइविंग कौशल की जांच करने का उद्देश्य प्रतिभाशाली और प्रशिक्षित चालक तैयार करना है। गडकरी ने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से ड्राइविंग प्रशिक्षण के लिए 50 मोटर ट्रेनिंग स्कूलों या संस्थानों को अधिकृत किया गया है।

आधार कार्ड आज के समय में बहुत अहम दस्तावेज बन गया है। सभी सरकारी से लेकर निजी संस्थानों में कई कार्यों में आधार कार्ड की जरूरत

पड़ती है। वहीं अगर सरकार द्वारा पेश की जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए तो आधार को अनिवार्य किया हुआ है। आधार कार्ड का इस्तेमाल कई विभिन्न कार्यों के लिए किया जाता है, जिसमें बैंक अकाउंट खुलवाना, स्कूल में एडमिशन लेना, घर खरीदना और अन्य कई जगहों पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। आधार कार्ड को ड्राइविंग लाइसेंस से लिंक करना भी अनिवार्य है।

कोरोना की दूसरी लहर पहली से ज्यादा विकराल? अप्रैल में होगी चरम पर, एक हफ्ते में बढ़े 66 प्रतिशत केस

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के नए मामले एक बार फिर से चरम पर पहुंच रहे हैं। भारत में गुरुवार को कोरोना वायरस के 59 हजार से ज्यादा नए मामले आए हैं जो कि 17 अक्टूबर या फिर 159 दिनों बाद सबसे ज्यादा है। देश में कोरोना की दूसरी लहर लगातार फैलती जा रही। बीते साल मई के बाद पहली बार इतनी तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, जिससे यह संकेत मिल रहे हैं कि टीकाकरण शुरू होने के बावजूद वायरस की दूसरी लहर पहली से भी ज्यादा विकराल रूप ले सकती है। देश के दो राज्य महाराष्ट्र और गुजरात पहली लहर के चरम के आंकड़े को भी पार कर चुके हैं। वहीं, पंजाब पिछली लहर के पीक के आंकड़ों को पार करने के करीब पहुंच चुका है।

66 प्रतिशत बढ़ गया एक हफ्ते का औसत-25 मार्च तक के आंकड़ों को देखें तो एक हफ्ते में भारत में हर दिन औसतन 47 हजार 442 नए मामले आ रहे थे। 28 अक्टूबर के बाद पहली बार सात दिन का औसत इतना ज्यादा पहुंचा। हालांकि, कोरोना के फैलने की दर हम देखें तो आंकड़े और भी चौंकाने वाले हैं। सिर्फ सात दिन पहले ही देश

में कोरोना मामलों का सात दिन का औसत 28 हजार 551 था। इसका यह मतलब है कि सिर्फ एक हफ्ते में संक्रमण के नए मामले 66 प्रतिशत बढ़ गए हैं। यह 10 मई के बाद कोरोना वायरस के हर हफ्ते बढ़ते मामलों की दर में सबसे बड़ी उछाल है।

बीते साल मई में एक दिन में आते थे सिर्फ 3500 मामले-अगर बीते साल मई से अब की स्थिति की तुलना करें तो मई में हर दिन कोरोना के 3 हजार 500 नए मामले सामने आ रहे थे लेकिन आज यह आंकड़ा बढ़कर 47 हजार पार हो गया है। इसका अर्थ है कि कोरोना की दूसरी लहर में संक्रमण कई गुणा तेजी से फैलता जा रहा है।

अप्रैल में अपने चरम पर होगी कोरोना की दूसरी लहर-आंकड़े बताते हैं कि कोरोना की दूसरी लहर अप्रैल के महीने में अपने चरम पर होगी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने गुरुवार को एक रिपोर्ट जारी की थी जिसके मुताबिक, देश में दूसरी लहर अप्रैल महीने के आखिर में अपने चरम पर होगी और यह लहर 100 दिन लंबा चलेगी, जो कि 15 फरवरी से शुरू हो चुकी है। एसबीआई ने पहली लहर के आंकड़ों पर भी अध्ययन किया और पाया कि इस दौरान महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और तमिलनाडु ने सबसे खराब प्रदर्शन दिखाया है। वहीं, कोरोना की दूसरी लहर में भी महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहे हैं।

मुंबई के एक कोविड-19 अस्पताल में लगी भीषण आग, 2 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक कोविड-19 अस्पताल में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। मुंबई के भानुप इलाके में शुक्रवार तड़के एक प्राइवेट कोविड अस्पताल में आग लग गई, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर दमकल की 22 गाड़ियां मौजूद हैं। पुलिस के मुताबिक, आग पर काबू पाने का काम किया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत कदम के अनुसार, आग की लपटों को बुझाने के लिए करीब 22 फायर टेंडर अस्पताल पहुंचे। इस अस्पताल में 76 कोरोना संक्रमित थे, जो एक मॉल की तीसरी मंजिल पर स्थित है। डीसीपी कदम ने संवाददाताओं से कहा कि इस घटना में दो लोगों के मारे जाने की सूचना है। मॉल के प्रथम तल पर 12:30 बजे आग लगी।

आज की घटना के बारे में बोलते हुए मुंबई के मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा कि यह पहली बार है जब मैंने किसी मॉल में अस्पताल देखा है। यह बहुत गंभीर स्थिति है। सात मरीज वेंटिलेटर पर थे। 70 मरीजों को दूसरे अस्पताल में ले जाया गया है। आग के कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच होगी।

ट्रस्ट के नाम पर बिहार में धोखाधड़ी करनेवाले पति-पत्नी और बेटी की करोड़ों की संपत्ति ईडी ने की जब्त

पटना। बिहार में ट्रस्ट के नाम पर धोखाधड़ी करनेवाले पति-पत्नी और उनकी बेटी की संपत्ति को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जब्त कर लिया है। इनपर मेडिकल कॉलेज की सदस्यता दिलाने के नाम पर ठगी का है आरोप है। पटना में फ्लैट के अलावा सासाराम स्थित 13 प्लॉट को जब्त किया गया है। इसकी कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक है। धोखाधड़ी से संबंधित एक केस पति-पत्नी के खिलाफ पटना के शास्त्रीनगर थाना दर्ज की गई थी।

ईडी के मुताबिक बुद्धिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट के नाम पर इसके अध्यक्ष सुरेन्द्र

कुमार और सचिव सीता कुमारी (दोनों पति-पत्नी) पर मेडिकल कॉलेज की सदस्यता दिलाने का लालच देकर निवेशकों के साथ ठगी करने का आरोप है। ट्रस्ट के द्वारा मेडिकल कॉलेज की स्थापना का ख्वाब दिखाकर और उसमें आजीवन सदस्य बनाने के नाम पर ठगी की गई। लोगों से इस नाम पर जो रुपए लिए गए उससे कई संपत्ति खरीदी गई। मनी लाउंड्रिंग का केस दर्ज करने के बाद ईडी ने इसकी जांच शुरू की। इस दौरान पति-पत्नी के अलावा उनकी बेटी लिप्सा कुमार के नाम पर कई संपित्तयों का पता चला। पटना के विंध्य अंबिका अपार्टमेंट में इनका एक फ्लैट भी है। इसके अलावा सासाराम में 13 प्लॉट और बेटी के नाम पर बैंक खातों जमा रकम को जब्त कर लिया है।

ईडी के मुताबिक बुद्धिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, उनकी पत्नी सीता कुमारी और बेटी लिप्सा कुमार से संबंधित हैं। बयान के मुताबिक जांच में पाया गया कि आरोपियों ने ट्रस्ट के अन्य सदस्यों को झूठा आश्वासन दिया कि ट्रस्ट एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने जा रहा है और दान देने वालों को इसमें आजीवन सदस्यता दी जाएगी। इसके मुताबिक, लालच देकर आरोपियों ने सदस्यों से भारी राशि एकत्र की और बाद में ट्रस्ट के बैंक खाते से रकम को निजी खातों में स्थानांतरित किया गया।

कोविड-19 टीके के निर्यात पर भारत ने नहीं लगाई रोक, इस बदलाव के साथ जारी रहेगी दूसरे देशों को सप्लाई

नई दिल्ली। देश में बढ़ते कोरोना मामलों की वजह से भारत ने कोविड-19 टीके के निर्यात पर रोक नहीं लगाई है बल्कि अब घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए कोरोना रोधी टीकों का निर्यात अब भारत चरणबद्ध तरीके से कर सकता है। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि अन्य देशों को टीकों की आपूर्ति में विलंब हो सकता है, क्योंकि अब घरेलू जरूरत को ध्यान में रखकर निर्यात होगा। दूसरी लहर के दौरान भारत में कोरोना मरीज तेजी से बढ़े हैं, जिसने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। बता दें कि इससे पहले आई खबर में दावा किया गया था कि देश में टीकाकरण में तेजी लाने के लिए सरकार अब कोरोना वैक्सीन का एक्सपोर्ट नहीं करेगी। अब सूत्रों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार ने वैक्सीन के निर्यात पर कोई रोक नहीं लगाई है।

गौरतलब है कि देश में 16 जनवरी को टीकाकरण की शुरुआत के पांच दिनों के अंदर ही टीकों का निर्यात शुरू कर दिया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की कोवैक्स पहल के तहत भारत के प्रमुख टीका अपूर्तिकर्ता देश है।

घरेलू टीकाकरण कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करने और वैक्सीन निर्यात का विस्तार न करने के सरकार के फैसले को स्पष्ट करते हुए एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि आने वाले हफ्तों और महीनों में अन्य

देशों को चरणबद्ध आपूर्ति की जाएगी। भारत अब तक 6.5 करोड़ वैक्सीन की आपूर्ति कर चुका है और इस मामले में यह सबसे आगे है। सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ने वैक्सीन निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है।

UN ने भारत से टीका आपूर्ति में देरी की चेतावनी दी

संयुक्त राष्ट्र ने भारतीय टीका निर्माता से नौ करोड़ खुराक की आपूर्ति मिलने में विलंब की घोषणा की है। यह मध्यम आय वाले देशों को बड़ा झटका है, इससे इन देशों में टीकाकरण प्रभावित हो सकता है। टीका उपलब्ध कराने में सक्रिय संगठन गावी ने गुरुवार को कहा कि भारत में कोरोना के मामलों में तेजी आने के कारण यह विलंब हो सकता है। इससे वहां सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया पर घरेलू मांग का दबाव बढ़ेगा।

एसआईआई कोवैक्स कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण टीका निर्माता संस्थान है। गावी ने कहा कि इस कदम से सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा बनाए जा रहे ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका की चार करोड़ खुराक प्रभावित होगी, जो इस महीने कोवैक्स को आपूर्ति की जानी थी। साथ ही अगले महीने पांच करोड़ टीके मिलने की उम्मीद थी। गावी ने कहा कि इसने आपूर्ति हासिल करने वाले देशों को सूचित कर दिया है। गावी ने कहा कि 64 देशों को टीके की आपूर्ति के लिए संस्थान से संपर्क किया गया है और संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रम ने संभावित विलंब को लेकर सभी प्रभावित देशों को सूचित कर दिया है।

सार समाचार

बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच कैसे मनेगी होली और ईद, केंद्र सरकार ने राज्यों को दिया सख्ती का आदेश

नई दिल्ली। एक तरफ देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर जोर पकड़ रही है तो दूसरी तरफ होली से ईद तक कई त्योहार भी आने वाले हैं। ऐसे में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लेटर लिखकर कई निर्देश दिए हैं और कोरोना प्रॉटोकॉल का पालन कराने को कहा गया है। केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि त्योहारों के दौरान भीड़ को नियंत्रित रखा जाए और मास्क और सोशल डिस्टेंशिंग जैसे नियमों का पालन कराया जाए। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों को लिखी चिट्ठी में कहा कि त्योहारों के दौरान भीड़ पर नजर रखें और इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उटाए जाएं। कोरोना नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। गृह सचिव ने राज्यों के मुख्य सचिवों के नाम लिखी चिट्ठी में कहा है, 'आप जानते हैं कि देश एक अहम मोड़ से गुजर रहा है, क्योंकि कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोविड-19 के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। स्थिति के आकलन के बाद गृह मंत्रालय ने 23 मार्च को गाइडलाइंस जारी की थी। इसमें जोर दिया गया था कि टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू किया जाए।' आगे उन्होंने लिखा, 'आगामी त्योहारों होली, शब-ए-बारात, फसलों से जुड़े त्योहार, ईस्टर, ईद उल फितर आदि के मद्देनजर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन भीड़ को नियंत्रित करें और कोरोना नियमों का पालन कराया जाए, जैसे कि मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंशिंग का ध्यान रखा जाए। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से भी लेटर जारी किया गया है।'

संक्रमितों की संख्या छिपाने का कोई सवाल ही नहीं है: कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलुरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 से जुड़े सभी तथ्यात्मक आंकड़ों को सार्वजनिक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संख्या छिपाने का कोई सवाल ही नहीं है और ना हीसरकार की ऐसी कोई मंशा है और नाहीं इनहें छिपाना संभव है। सुधाकर ने कहा, ''हम कोविड-19 से जुड़े कोई आंकड़े नहीं छिपा रहे हैं। कोविड-19 नियंत्रण को लेकर विपक्ष के सभी नेताओं की सलाह का स्वागत है। वे प्रणाली की खामियों को भी उजागर कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस संबंध में चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुला सकते हैं। मंत्री के कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने कहा, ''हम इस संबंध में कोई भी चर्चा करने को तैयार हैं।'' उन्होंने बताया कि मणिपाल इंस्टीट्यूट में ही 704 मामले आए हैं और उसे सील कर दिया गया है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सख्त पाबंदियां लगायी गयी हैं।

मिलिए लेडी सिंघम प्रियंका से जिसने एनकाउंटर में 4 लाख के इनामी बदमाश को किया घायल

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गुरुवार सुबह मुठभेड़ में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों की पहचान रोहित चौधरी और टीटू के रूप में हुई है। बता दें कि पुलिस दल का नेतृत्व एक महिला अधिकारी महिला सब-इंस्पेटर प्रियंका कर रही थी जिसने अपराधियों का बहादुरी से मुकाबला किया। महिला सब-इंस्पेटर प्रियंका और एसीपी पंकज ने अपने बचाव में इन दोनों बदमाशों पर गोली चलाई। बता दें कि पुलिस को दोनों अपराधी के बारे में सूचना मिली थी कि रोहित अपने दोस्तों के साथ दिल्ली के भैरो मार्ग होंगे जिसके बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों की गिरफ्तारी करने के लिए जाल बिछाया।

मुंबई के मॉल में स्थित अस्पताल में लगी आग में अबतक 10 कोरोना मरीजों की मौत

मुंबई। मुंबई के एक मॉल में स्थित अस्पताल में आग लगने के बाद 10 कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की मौत हो गई। इस अस्पताल में कोविड-19 के मरीजों का इलाज चल रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त प्रशांत कदम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आग में मारे गये सभी 10 लोग कोरोना वायरस के रोगी थे।'' जब अस्पताल ने घटना में दो लोगों की मौत की पुष्टि की थी तो बयान जारी कर कहा था कि दोनों कोरोना वायरस के मरीज थे और उनकी मौत आग लगने से पहले ही हो चुकी थी। बयान में कहा गया था कि आग लगने के कारण किसी की मौत नहीं हुई है। बाकी आठ लोगों की मौत के बारे में अस्पताल की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है। निगम और अस्पताल के अधिकारियों ने इस बारे में अभी तक कुछ नहीं कहा है कि कितने लोगों को बचाया गया और उनमें से कितने कोरोना वायरस संक्रमित हैं। अधिकारी ने बताया कि भांडुप इलाके में स्थित ड्रीम्स मॉल में सनराइज अस्पताल में आधी रात के आसपास आग लग गई। चार मंजिला मॉल की सबसे ऊपर की मंजिल पर अस्पताल चलता है। दोपहर को घटनास्थल पर पहुंचे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि आग लगने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और प्रत्येक मृतक के परिजन को पांच लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। मुंबई में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के बीच यह घटना घटी है। शहर में बृहस्पतिवार को संक्रमण के 5,504 नए मामले सामने आए जो इस महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक एक दिन में सर्वाधिक मामले हैं।

योगी का तंज, कांग्रेस के पतन का कारण बन रहे हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता अपने दम पर नहीं बोलते हैं, वह ''उधार की बुद्धि'' पर निर्भर करते हैं और अपनी ही पार्टी के पतन का कारण बन रहे हैं। योगी ने उनके नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की गांधी द्वारा आलोचना किये जाने के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में कहा, ''राहुल जी अपनी बुद्धि से तो कुछ कहते नहीं, उधार की बुद्धि विवेक नहीं देती है।'' योगी ने 'इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव' में यह टिप्पणी की जिसमें उन्होंने डिजिटल तरीके से भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि गांधी मुश्किल से राज्य का दौरा करते हैं, इसलिए उन्हें वहां की जमीनी स्थिति के बारे में बहुत कम जानकारी होगी। योगी ने कहा कि जब भारत पर संकट आता है, तो राहुल गांधी को देश की जनता नहीं बल्कि इटली में अपनी नानी याद आती हैं।

केरल की वायनाड लोकसभा सीट से सांसद गांधी पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा, ''जब वह दक्षिण में होते है तो उत्तर की आलोचना करते हैं और जब वह उत्तर (भारत) में होते है तो दक्षिण की आलोचना करते हैं।'' योगी ने दावा किया कि गांधी कांग्रेस के पतन का एक कारण बन रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी को लेकर पूछे गये एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''यह भाजपा के लिए एक ''वैचारिक जीत'' है कि जो लोग मंदिर जाने को ''सांप्रदायिक'' बताते थे, वे स्वयं मंदिरों में जा रहे हैं।'' योगी ने कहा, ''यह चुनावों के कारण हो सकता है, लेकिन हम इसे अपनी वैचारिक जीत मानते हैं। वैचारिक जीत वास्तविक जीत की ओर ले जाती है।''

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का अनुमान जताते हुए योगी ने कहा कि समाज का हर वर्ग राज्य में परिवर्तन चाहता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 में भाजपा की सरकार आने के बाद से हर क्षेत्र में प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि देश में इसकी अर्थव्यवस्था का आकार अब दूसरे स्थान पर है जबकि 2015-16 में यह छठे पर था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने लोगों की आय बढ़ाने और राज्य की अर्थव्यवस्था में सुधार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की पहचान की। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय 47,000 रुपये से बढ़कर 96,000 रुपये हो गई है। योगी ने कहा कि राज्य में पिछले चार वर्षों में तीन लाख करोड़ से अधिक निजी निवेश देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है और सड़क एवं हवाई संपर्क बढ़ा है।

भारत और पाकिस्तान ने संघर्ष विराम समझौते पर ब्रिगेडियर-स्तरीय बैठक की

नयी दिल्ली। भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम का पालन करने के अपने समझौते के तहत शुक्रवार को पुंछ-रावलकोट चौकी पर ब्रिगेडियर स्तरीय बैठक की। भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने पिछले महीने नियंत्रण रेखा पर 2003 के संघर्ष विराम समझौते को लेकर एक बार फिर प्रतिबद्धता जतायी थी। दोनों देशों के सैन्य

अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने संघर्ष विराम की ओर लौटने पर सहमति जतायी थी। सेना ने ट्वीट कर कहा कि दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच 2021 की सहमति के बाद पुंछ-रावलकोट चौकी पर दोनों सेनाओं की ब्रिगेड कमांडर स्तर की फ्लैग मीटिंग 26 मार्च, 2021 को हुई। थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने बृहस्पतिवार को कहा था कि नियंत्रण रेखा पर पांच से छह साल में पहली बार शांति रही और एक घटना को छोड़कर मार्च में एक भी गोली नहीं चली। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी धरती पर आतंकी लांच-पैड (ठिकाने) सहित आतंकी ढांचा कायम है। उन्होंने कहा था, ''मुझे यह सूचित करते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि पूरे मार्च महीने में, एक अकेली घटना को छोड़ कर, नियंत्रण रेखा पर एक भी गोली नहीं चली। करीब पांच-छह साल में यह पहला मौका है, जब एलओसी पर शांति रही।

गुणवत्तापूर्ण एवं समवेशी शिक्षा सुनिश्चित करने का आधार बनेगी नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति: निशंक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने शिक्षा के भगवाकरण के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति गुणवत्तापूर्ण एवं समवेशी शिक्षा सुनिश्चित करने का आधार बनेगी। इंडिया इकोनॉमिक कानक्लेव को संबोधित करते हुए निशंक ने कहा, '' शिक्षा के भगवाकरण जैसी कोई बात नहीं है। जो लोग इस तरह के आरोप लगाते हैं, उन्हें भगवाकरण को लेकर सही जानकारी नहीं है। यह सही है कि हम मातृका सम्मान करते हैं लेकिन यह भी तथ्य है कि दुनिया में इजराइल, जापान जैसे देश भी हैं जो अपनी मातृमें शिक्षा प्रदान करते हैं।''

गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले वर्ष नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मंजूरी दी थी जिसने 34 वर्ष पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 का स्थान लिया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि कक्षा पांचवी तक मातृया क्षेत्रीय में पढ़ाई, बोर्ड परीक्षा के दबाव को समाप्त करना, उच्च शिक्षण संस्थानों (मेडिकल और विधि संकाय) के लिये एकल नियामक की स्थापना, विश्वविद्यालयों के लिये साझा प्रवेश परीक्षा आदि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा, ''अंग्रेजी कोई ज्ञान की बात नहीं है बल्कि यह सिर्फ एक है। ऐसे समय में जब जर्मनी में 14 विश्वविद्यालय संस्कृत पढ़ा रहे हैं, ऐसे में कोई उनसे कुछ नहीं पूछता हैं। लेकिन जब हम ऐसा करते हैं तक हमारे ऊपर भगवाकरण के आरोप लगते हैं।'' निशंक ने कहा, ''कोई किसी पर नहीं थोपी जायेगी। हमने शानदार शिक्षा नीति लाने का काम किया है जिसमें समानता, गुणवत्ता एवं समावेशी शिक्षा पर जोर दिया गया है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

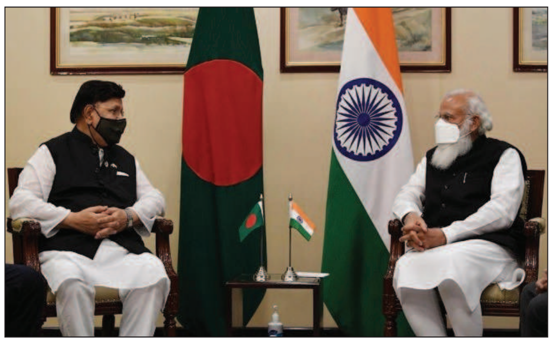

ढाका। (एजेंसी)।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और इस दौरान दोनों नेताओं ने संप्रभुता, समानता, विश्वास और समझ के आधार पर अपनी साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया, जिससे द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और आगे ले जाया जा सके। बांग्लादेश की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों, 'बंगबंधु'शेख मुजीबुर्रहमान की जन्मशती समारोह में हिस्सा लेने और अपने समकक्ष शेख हसीना से वार्ता करने के लिए मोदी दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने संप्रभुता, समानता, विश्वास और समझ के आधार पर अपनी साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और आगे ले जाया जा सके। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व और बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम में भारतीय सेना के योगदान की सराहना की।

सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली को यमुना के पानी की आपूर्ति पर 6 अप्रैल तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब, हरियाणा की सरकारों और अन्य को यह निर्देश दिया कि दिल्ली को यमुना नदी के पानी की आपूर्ति पर 6 अप्रैल तक यथास्थिति बरकरार रखी जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जल संकट का सामना कर रही दिल्ली की जलापूर्ति कम न की जाए। चीफ जस्टिस न्यायाधीश एस.ए. बोबड़े, जस्टिस ए.एस. बोपन्ना और वी. रामासुब्रमण्यम की बेंच ने कहा कि वह होली की छुट्टी के बाद 6 अप्रैल को मामले की सुनवाई करेगी। बेंच ने कहा कि हमने गुरुवार को यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया था। हम इसे जारी रखना चाहेंगे। हम होली की छुट्टियों के बाद मंगलवार 6 अप्रैल को इस मामले को देखेंगे तब तक दिल्ली को पानी की आपूर्ति में कटौती नहीं की जानी चाहिए। हरियाणा की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा कि उन्होंने पानी की आपूर्ति में कोई कटौती नहीं की है। इस मामले में एक पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने सुनवाई के दौरान दावा किया कि जल स्तर छह फीट नीचे चला गया है। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा दायर याचिका में सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा सरकार को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि वह यमुना में अशोधित प्रदूषकों को डालना रोके तथा दिल्ली के लिए पर्याप्त पानी छोड़े। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 26 मार्च तक के लिए यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश था। कोर्ट ने इस पर हरियाणा, पंजाब और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) को नोटिस जारी कर उनसे याचिका पर जबाव दायर करने को कहा था। दिल्ली जल बोर्ड के वकील ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में जलस्तर नीचे गिर गया है। इस दौरान हरियाणा के वकील ने हालांकि कहा कि पूरी जलापूर्ति की गई है। दिल्ली जल बोर्ड के वकील ने दलील दी कि हरियाणा के मुताबिक कुछ मरम्मत का काम चल रहा है और नहर की मरम्मत का काम मार्च और अप्रैल में नहीं किया जाना चाहिए जब पानी की मांग अपने चरम पर होती है।

शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो दायित्वों के प्रति जिम्मेदार बनाए: कलराज मिश्र

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों को लचीला बनाने, उन्हें समय-समय पर अपडेट करने तथा उनका निरंतर मूल्यांकन करने की आवश्यकता जताई है। मिश्र ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो व्यक्ति में विचार करने का सामर्थ्य विकसित करे और उसे दायित्वों के लिए जिम्मेदार बनाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में जो कुछ पढ़ाया जा रहा है उसे बदलते समय-संदर्भों और परिवेश के अनुरूप अपडेट करने की जरूरत है। मिश्र शुक्रवार को जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में जिस तेजी से ज्ञान का प्रसार हो रहा है उसी गति से पाठ्यक्रमों को अपडेट करने के लिए उन्हें लचीला बनाने की जरूरत है। मिश्र ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो व्यक्ति में विचार करने का सामर्थ्य विकसित करे और उसे दायित्वों के लिए जिम्मेदार बनाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को विषय ज्ञान के साथ-साथ मानव मूल्यों, धैर्य, अनुशासन और राष्ट्रीयता से जुड़ी गौरवगाथाओं से रूबरू कराना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि इन बातों को ध्यान में रखते हुए यदि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सही तरीके से लागू किया जाये तो प्रदेश उच्च शिक्षा के क्षेत्र में देशभर में सिरमौर बन सकता है।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि राज्य सरकार सभी विश्वविद्यालयों में एक जैसे पाठ्यक्रम लागू करने की दिशा में प्रयास कर रही है। नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि वास्तविक शिक्षा सिर्फ पुस्तकों से ही नहीं बल्कि जीवन के उदाहरणों से मिलती है, इसलिए प्रबुद्धजन विद्यार्थियों के समक्ष जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उनमें कृतज्ञता, करुणा और उत्तरदायित्व के भाव विकसित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य सूचनाओं और जानकारियों का प्रसार करने से अधिक संतोषी और शांतिमय समाज की स्थापना का होना चाहिए।

महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन की कोई जरुरत नहीं: अजीत पवार

पुणे। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की स्थिति ऐसी नहीं है कि राष्ट्रपति शासन लगाने की जरुरत हो। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि पुलिस तबादले में कथित भ्रष्टाचार की जांच के तहत आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला द्वारा की गई फोन टैपिंग पर मुख्य सचिव सीताराम कुंटे की रिपोर्ट बिल्कुल स्पष्ट है और उसमें सभी तथ्य शामिल हैं। पवार ने कहा, ''(भाजपा नेता) सुधीर मुंगंटीवार और विपक्ष राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने पर जोर दे रहा है। लेकिन राज्य में ऐसी स्थिति नहीं है।'' उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ एमवीए गठबंधन के पास 165 विधायकों का समर्थन है और विधानसभा में उसके पास बहुमत है। भाजपा नेताओं ने उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास से एक एसयूवी बरामद होने के मामले में पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की गिरफ्तारी और राज्य के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर आईपीएस अधिकारी परमबीर सिंह द्वारा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है।

भाजपा उधार की जनता पार्टी है, बंगाल में टीएमसी की जीत से 2024 में होगा बदलाव: यशवंत

कोलकाता। (एजेंसी)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के नवनियुक्त उपाध्यक्ष यशवंत सिन्हा का कहना है कि भाजपा 'बॉरोड (उधार की) जनता पार्टी' बन गयी है जो दूसरे दलों से आये नेताओं के सहारे चुनाव लड़ रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की जीत 2024 के लोकसभा चुनाव में बदलाव लाएगी। सिन्हा ने कहा कि भाजपा के पास पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का मुकाबला करने के लिए कोई प्रामाणिक चेहरा नहीं है और वह बाहरी 'शाह-मोदी' पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि बंगाल में चुनाव जीतने की भाजपा की लालसा से साफ होता है कि उसकी केरल, तमिलनाडु और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव जीतने की बहुत कम संभावनाएं हैं, वहीं असम में जहां वह सत्ता में है, उसकी जीत कोई बहुत बड़ी बात नहीं होगी। सिन्हा ने दिनेश त्रिवेदी के तृणमूल कांग्रेस छोड़ने से खाली हुई राज्यसभा की सीट पाने के लिए तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की धारणाओं को खारिज करते हुए कहा, ''यह मेरे निर्णय को देखने का बहुत संकीर्ण तरीका है।'' अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में वित्त और विदेश मंत्री रहे सिन्हा ने कहा कि आज की भाजपा 'दो लोगों' द्वारा नियंत्रित है जिनके पास सारे अधिकार हैं। उन्होंने 'कहा, ''भाजपा ने खुद को बंगाल में बॉरोड (उधार की) जनता पार्टी बना लिया है। वे दूसरे दलों से आये नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। उनके पास बंगाल में ममता बनर्जी की टक्कर का नेता नहीं है।''

पश्चिम बंगाल चुनाव पर सिन्हा ने कहा कि राज्य विधानसभा चुनावों को लेकर अभूतपूर्व माहौल बनाने के बाद भी भाजपा पराजित होगी। उन्होंने कहा, ''इस बार चार राज्यों- पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव होने जा रहे हैं।'' पूर्व भाजपा नेता ने कहा, ''वे असम में पहले ही सत्तारूढ़ दल हैं, इसलिए वहां उनकी जीत कोई बड़ी बात नहीं होगी। इसलिए केवल बंगाल में जीतने से इनाम मिल सकता है और इसलिए भाजपा वहां पूरी ताकत झोंक रही है।'' उन्होंने कहा कि बंगाल चुनाव के नतीजों का राष्ट्रीय असर होगा और राष्ट्रहित में भाजपा को रोकना जरूरी है। सिन्हा ने कहा, ''भाजपा ने चुनावों को लेकर अभूतपूर्व माहौल बनाया है। उन्हें लगता है कि वे देश में समस्त विपक्ष को दबा सकते हैं। लेकिन इतने हंगामे के बावजूद उनके बंगाल में जीतने की संभावना नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की जीत 2024 के आम चुनाव में बदलाव लाने वाली तथा भाजपा को हराने वाली होगी। पूरा देश इस चुनाव पर नजर गड़ाये हुए है और इससे विपक्ष एकजुट होगा।'' बंगाल में बाहरी और भीतरी की बहस पर सिन्हा ने कहा कि यह बात सामने आनी ही चाहिए क्योंकि भाजपा नरेंद्र मोदी और अमित शाह को सामने रखकर वोट मांग रही है। उन्होंने कहा, ''अगर भाजपा ने किसी स्थानीय नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया होता तो इस चुनाव में यह बात नहीं आती क्योंकि तब वे आसानी से कह सकते थे कि वे स्थानीय नेताओं की मदद के लिए आये हैं।''

सिन्हा ने कहा, ''लेकिन पार्टी शाह-मोदी को अपने चेहरों के तौर पर पेश कर रही है और इसलिए उन्हें बाहरी कहा जा रहा है।'' जब सिन्हा से पूछा गया कि उन्हें भी भाजपा के नेता बंगाल की राजनीति में बाहरी कह रहे हैं तो उन्होंने कहा, ''मैं यहां चुनाव लड़ने नहीं आया और ना ही मुझे यहां चेहरा बनाकर पेश किया गया है। मैं यहां ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस की सहायता के लिए आया हूं।'' सिन्हा ने इसी महीने तृणमूल कांग्रेस की सदस्यता ली थी। मोदी और शाह के मुखर आलोचक माने जाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री ने 2018 में भाजपा छोड़ दी थी। नौकरशाह से नेता बने सिन्हा के बेटे जयंत सिन्हा भाजपा में ही हैं और झारखंड के हजारीबाग से लोकसभा सदस्य हैं। केरल में 88 वर्षीय ई श्रीधरन और बंगाल में इतनी ही उम्र के रवींद्रनाथ भट्टाचार्य के भाजपा में शामिल होने के बारे में सिन्हा ने कहा, ''यह भाजपा की खुद की इस नीति का उल्लंघन है कि 75 वर्ष से अधिक उम्र के नेताओं को सक्रिय राजनीति से हट जाना चाहिए।'' तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर सिन्हा ने कहा, ''मैंने 2018 में दलीय राजनीति में सक्रिय नहीं रहने का फैसला किया था और तय किया था कि केवल राष्ट्रीय महत्व से जुड़े विषयों पर बोलूंगा। लेकिन हालात बदल गये और चीजें बद से बदतर होती गयीं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगा कि मैं अगर किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाऊंगा तो बड़ा योगदान दे सकता हूं।

कोरोना पॉजिटिव इमरान खान ने की बैठक, लोगों ने लगाई लताड़...कहा-आपको आवाम की चिंता नहीं

इंटरनेशनल डेस्क.

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बावजूद उन्होंने अपनी मीडिया टीम के सामने उपस्थित होकर बैठक की जिसके बाद से उन्हें जनता और विपक्ष द्वारा आलोचना का शिकार होना पड़ रहा है। मीडिया में शुक्रवार को प्रकाशित एक खबर में यह जानकारी सामने आई। खान (68) और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की जांच में पिछले शनिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई थी। संक्रमित होने से कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने कोरोना टीका लगवाया था। पाकिस्तान में चीनी टीका 'सिनोफार्म' ही उपलब्ध है जिसकी पहली खुराक खान ने पिछले गुरुवार को ली थी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री शिबली फराज तथा एक अन्य सांसद फैसल जावेद ने प्रधानमंत्री के साथ एक बैठक में हिस्सा लिया था, जिसकी फोटो उन्होंने सोशल मीडिया पर डाला। फोटो में खान को अपनी टीम से बात करते हुए देखा जा सकता है जिसमें फराज, जावेद, युसूफ बेग मिर्जा और जुल्फिकार अब्बास बुखारी शामिल हैं। डॉन अखबार के मुताबिक खान ने गुरुवार स्न्ढ्क्र को बनिगाला स्थित अपने आवास पर बैठक की थी। विपक्ष का कहना है कि प्रधानमंत्री ने खुद कोरोना नियमों का उल्लंघन किया, इसलिए उन पर **FIR** होनी चाहिए। खबर में कहा गया कि दिलचस्प बात है कि प्रधानमंत्री द्वारा क्वारंटाइन में रहने के बावजूद बैठक करने की घटना का कोई भी सरकारी प्रवक्ता बचाव नहीं कर सका और उनमें से बहुत से लोग इस मुद्दे पर मीडिया के सामने आने से कतराते रहे। सोशल मीडिया मंचों पर लोगों ने आश्चर्य जताया कि संक्रमित होने के बावजूद प्रधानमंत्री को खुद उपस्थित होकर बैठक करने की क्या जरूरत थी। लोगों ने यह सवाल भी पूछे कि खान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक क्यों नहीं की। पाकिस्तान में महामारी को नियंत्रित करने के लिए बनाई गई संस्था 'नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर' द्वारा जारी की गई मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार कोरोना के मरीज को 14 दिन के लिए क्वारंटाइन में रहना होता है .

सिंधु जल संधि वार्ता के अगले दौर के लिए भारत की मेजबानी करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद।

नई दिल्ली में पाकिस्तान और भारत के प्रतिनिधियों के बीच दो दिवसीय बैठक के दौरान सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) पर विस्तृत चर्चा के बाद अब इस्लामाबाद अगले महीने वार्ता के दूसरे दौर के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान के सिंधु जल आयुक्त मेहर अली शाह ने कहा, पानी के मुद्दों पर पड़ोसी देश के साथ बातचीत भविष्य में भी जारी रहेगी।भारत से लौटने के बाद वाघा सीमा पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, भारतीय पक्ष ने पाकिस्तान की ओर से उसकी नदियों पर विभिन्न परियोजनाओं को लेकर उठाए गए मुद्दों को सुना और ऐसी परियोजनाओं की गंभीर समीक्षा का वादा भी किया।शाह के नेतृत्व में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय वार्ता के लिए नई दिल्ली में था। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, बातचीत सौहार्दपूर्ण तरीके से हुई। मंत्रालय ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय चर्चा के माध्यम से मुद्दों को हल करने के लिए और अधिक बातचीत करने पर सहमति व्यक्त की है। शाह ने नई दिल्ली में स्थायी सिंधु आयोग (पीआईसी) की बैठक को एक सकारात्मक कदम के तौर पर बताया, क्योंकि इस तरह की सकारात्मक रुख अगस्त 2018 से नहीं देखने को मिला है। शाह ने कहा, यह एक अच्छा संकेत है कि भारत ने कोविड-19 महामारी के कठिन समय में भी बैठक के लिए पाकिस्तानी पक्ष को आमंत्रित किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैठक के दौरान भारतीय पक्ष ने मानसून सीजन को लेकर बाढ़ के आंकड़ों को साझा किया, जबकि पाकिस्तान ने विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण पर अपनी चिंताओं को साझा किया। शाह ने कहा, भारत ने यात्रा के लिए इच्छा व्यक्त की है और वह हमें साइट के दौरे के लिए नाम और तारीखें बताएगा। पाकिस्तान 1 अप्रैल के बाद बैठक के लिए भारतीय अधिकारियों को आमंत्रित करेगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दोनों पक्ष मुद्दों को हल करने, निरीक्षण के दौरे आयोजित करने और पाकिस्तान में आयोग की अगली बैठक की शुरूआत जल्द करने पर सहमत हुए हैं।

बाइडन ने एक मई तक अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी की संभावना खारिज की

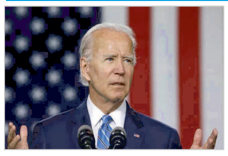

वाशिंगटन,

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक मई तक अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों की वापसी की संभावना को खारिज कर दिया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और तालिबान के बीच पिछले साल हुए समझौते के तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के लिए यह समय सीमा तय की गई थी। बाइडन ने व्हाइट हाउस के 'ईस्ट रूम' में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' एक मई की समय सीमा में काम समाप्त करना मुश्किल होगा, उन सैनिकों को वहां से बाहर निकालना मुश्किल होगा। इसलिए जो हम कर रहे हैं, जो मैं कर रहा हूं और जो विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन कर रहे हैं... वह यह है कि हम अपने सहयोगियों से मिल रहे हैं, उन अन्य देशों से जो नोटो सहयोगी हैं, जिनके सैनिक भी अफगानिस्तान में है। अगर हम वहां से अपने सैनिकों को वापस लाएंगे तो, इसे सुरक्षित तथा व्यवस्थित तरीके से करेंगे।'' बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन सहयोगियों और साझेदारों के साथ परामर्श कर रहा है कि अफगानिस्तान में आगे की प्रक्रिया क्या हो। अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन भी इस सप्ताह ब्रसेल्स में अपने नाटो सहयोगियों से मुलाकात करेंगे। बाइडन ने यहां अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की अफगानिस्तान की यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में एक प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी, कि कैसे इस युद्ध को समाप्त किया जाए।बाइडन ने कहा, '' मेरी मंशा वहां लंबे समय तक रहने की नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि कैसे और किसी स्थिति में हम पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा किए उस समझौते को पूरा करें.......''

पाक को दान में नहीं मिल रही वैक्सीन, अब चीन से किया 70 लाख खुराकों का सौदा

इंटरनेशनल डेस्क।

पाकिस्तान के एक वरिष्ठ मंत्री ने कहा कि उनका देश चीन से कोविड टीकों की 70 लाख खुराकें खरीदने की योजना बना रहा है। पाकिस्तान ने यह घोषणा देश में कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि होने के बीच की है। इमरान खान की सरकार दान में मिली वैक्सीन के जरिए वैक्सीनेशन अभियान चला रही है. लेकिन अब वैक्सीन की सप्लाई रुक गई है। इससे पहले, पाकिस्तान ने कहा था कि तत्काल टीके खरीदने की उसकी कोई योजना नहीं है और वह कोविड-19 चुनौतियों का मुकाबला सामूहिक प्रतिरोधी क्षमता और चीन जैसे मित्र देशों से दान में मिलने वाले टीकों के जरिए करेगा। योजना मंत्री असद उमर ने वीरवार को कहा कि टीकों की पहली खेप इस महीने के अंत तक पाकिस्तान में आ जाएगी। उन्होंने कहा कि हम चीन से साइनोफार्मा और कैनसिनो टीकों की खरीद की प्रक्रिया में हैं। इस महीने के अंत तक साइनोफार्मा टीके 10 लाख खुराक सहित टीकों की दो खेप पाकिस्तान पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना अगले महीने से 50 साल से अधिक आयु वाले लोगों को टीकाकरण अभियान के दायरे में लाने की है। इससे पहले, केवल स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीका लगाया जा रहा था। पाकिस्तान में कोविड टीकाकरण अभियान की शुरुआत दो फरवरी को हुयी थी।

संक्षिप्त समाचार

सिर से पांव तक कर्ज में डूबे पाकिस्तान को मिली बड़ी राहत

इंटरनेशनल डेस्क। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कर्ज में डूबे पाकिस्तान को ऋण की 50 करोड़ डॉलर की अगली किस्त जारी करने पर सहमत हो गया है। आईएमएफ ने नकदी संकट से जूझ रहे इस देश की आर्थिक प्रगति से संबंधित चार लंबित समीक्षाओं को मंजूरी दे दी है। आईएमएफए ने 2019 में पाकिस्तान को 39 माह की विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत छह अरब डॉलर का ऋण देने की सहमति दी थी। पिछले साल कोविड-19 महामारी की वजह से इसमें बाधा आई। द डॉन अखबार ने वाशिंगटन में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से कहा कि मंजूरी के बाद छह अरब डॉलर का आईएमएफ ऋण कार्यक्रम फिर शुरू हो गया है। पिछले एक साल से यह कार्यक्रम रुका हुआ था। पाकिस्तान सरकार ने इस ऋण के लिए अर्थव्यवस्था को स्थिर करने को कई कड़े फैसले किए हैं। इन उपायों में बिजली बिलों में भारी बढ़ोतरी, 140 अरब रुपये का कर और केंद्रीय बैंक को पूरी स्वायत्तता शामिल है।

पाकिस्तान ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल का परीक्षण किया

इस्लामाबाद, पाकिस्तान ने शुक्रवार को परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम सतह से सहत तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शाहीन 1ए का शुक्रवार को सफलतापूर्वक परीक्षण किया। सेना ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि यह मिसाइल 900 किलोमीटर तक लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बना सकती है। आईएसपीआर के अनुसार शाहीन 1-ए अपनी शानदार तथा उन्नत मार्गदर्शक प्रणाली के चलते बेहद सटीक मिसाइल प्रणाली है।

अमेरिका ने भारत को अफ्रीकी स्वाइन फीवर से प्रभावित देशों की सूची में शामिल किया

वाशिंगटन, अमेरिका ने अधिसूचित किया है कि भारत को अफ्रीकी स्वाइन फीवर से प्रभावित देशों की सूची में शामिल किया गया है, इसके साथ ही अब देश से पोर्क और पोर्क उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लग गया है। बृहस्पतिवार को जारी एक संघीय अधिसूचना में, अमेरिका के कृषि पशु और वनस्पति स्वास्थ्य निरीक्षण सेवा (एपीएचआईएस) विभाग ने कहा कि भारत को उन क्षेत्रों की सूची में शामिल किया गया है, जिसे हम अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) से प्रभावित मानते हैं। एएसएफ जंगली और घरेलू सुअर में होने वाला एक अत्यधिक संक्रामक रोग है। यह सुअरों में तेजी से फैल सकता है। कृषि विभाग (यूएसडीए) ने कहा, हमने 13 मई, 2020 को यह कार्रवाई की थी जब बीमारी की पुष्टि हुई थी और अब वे नोटिस जारी कर रहे हैं। भारत से पोर्क और पोर्क उत्पाद, जिनमें केसिंग भी शामिल है, अमेरिका में एएसएफ फैलने के जोखिम को कम करने के लिए निर्धारित किए गए एपीएचआईएस आयात प्रतिबंध के अधीन हैं।'' विभाग ने कहा कि पिछले साल नौ मई को भारत के पशु चिकित्सा अधिकारियों ने एपीएचआईएस को देश में एएसएफ के होने की सूचना दी थी। यूएसडीए ने कहा, इसलिए, इस प्रकोप को रोकने के लिए, 13 मई, 2020 को, एपीएचआईएस ने भारत को उन क्षेत्रों की सूची में शामिल किया जहां एएसएफ मौजूद है या ऐसा माना जाता है कि उसके होने की आशंका है। यह नोटिस एक आधिकारिक रिकॉर्ड और उस कार्रवाई की सार्वजनिक अधिसूचना के रूप में कार्य करता है।÷ भारत का 2020 में पोर्क और संबंधित उत्पादों का अमेरिका में निर्यात 5,00,000 अमेरिकी डॉलर का था।

मेक्सिको में1000 से ज्यादा कामगारों को दी गई नकली वैक्सीन

होंडुरान । कोरोना वैक्सीन के आने के बाद यह आशंका जताई जा रही थी कि नकली वैक्सीन का बाजार भी सजने लगेगा। ऐसा ही मेक्सिको में भी हुआ। मेक्सिको के विनियामक स्वास्थ्य बोर्ड ने अपनी जांच में खुलासा किया है कि होंडुरान स्थित एक कपड़ा कंपनी के 1000 से ज्यादा कामगारों को नकली स्पुतनिक वी वैक्सीन दे दी गई। होंडुरान की कपड़ा कंपनी ग्रुपो करीम का मालिक मोहम्मद यूसुफ अमदानी बाई है जो पाकिस्तान का मूल निवासी है। इस मामले का खुलासा होने के बाद मेक्सिको सरकार अमदानी बाई की तलाश कर रही है। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक, जांच में पता चला कि यह वैक्सीन ग्रुपो करीम के मजदूरों के अलावा अन्य व्यवसायियों और सरकारी अधिकारियों को भी दी गई थी। ये ग्रुपो कंपनी के मालिक मोहम्मद यूसुफ अमदानी बाई के करीबी थे। इस नकली वैक्सीन की खुराक पहले 10 मार्च को ओशन व्यू होटल और एक क्लीनिक में दी गई थी, इसका मालिक भी अमदानी बाई है। ग्रुपो करीम की कपड़ा फैक्ट्री में काम करने वालों को 15 मार्च वैक्सीन दी गई थी। इसके अलावा इस फर्जी वैक्सीन को मेक्सिको सिटी, युकाटन और मेरिडा के व्यापारियों को भी कथित रूप से लगाया गया। वहीं नकली वैक्सीन लगाने वाले दो लोगों ने बताया कि वह संभावित स्वास्थ्य जोखिमों लेकर बेहद चिंतित थे।

लंदन में इलाज करा रहे नवाज शरीफ को इमरान सरकार ने दिया झटका

इंटरनेशनल डेस्क।

पाकिस्तान की इमरान सरकार ने पिछले 16 महीनों से शरीफ लंदन में रहकर इलाज करा रहे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को झटका दिया है। दरअसल इमरान सरकार ने नवाज शरीफ के पासपोर्ट का नवीनीकरण करने से इन्कार करते हुए उनसे देश लौटने को कहा है। शरीफ का पासपोर्ट इस साल फरवरी में समाप्त हो गया था। 15 फरवरी को उन्होंने पाकिस्तानी उच्चायोग को पत्र लिखकर नया राजनयिक पासपोर्ट जारी करने का अनुरोध किया था। गृह मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय को निर्देश देते हुए कहा कि चूंकि पूर्व प्रधानमंत्री को इस्लामाबाद हाई कोर्ट और राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने फरार घोषित कर रखा है, इसलिए उनके पासपोर्ट का नवीनीकरण नहीं किया जा सकता है। गृह मंत्रालय ने उनसे अदालत में पेश होने के लिए देश लौटने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा न करने पर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

2024 में फिर ट्रंप से टक्कर लेंगे बाइडन! दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का किया ऐलान

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उनकी योजना 2024 में फिर से चुनाव लड़ने की है। बाइडन ने कमला हैरिस को बेहतरीन साझेदार बताते हुए कहा कि वह भी दूसरी बार उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ सकती हैं। बाइडन के इस दावे के बाद उनकी एक बार फिर अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप के साथ चुनावी मैदान में टक्कर होने की संभावना है, क्योंकि ट्रंप ने भी अभी तक 2024 राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया है।व्हाइट हाउस के 'ईस्ट रूम' में बाइडन ने पत्रकारों से कहा कि मेरी योजना दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की है। मैं इसकी ही उम्मीद कर रहा हूं।' राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद बाइडन पहली बार अकेले संवाददाता सम्मेलन में आए थे। इसमें विभिन्न मीडिया घरानों के 30 पत्रकार शामिल हुए थे और दो विदेशी मीडिया घरानों के पत्रकार भी यहां मौजूद थे। गौरतलब है कि 78 वर्षीय बाइडन अभी अमेरिका के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं और 2024 में वह 82 वर्ष के होंगे। उन्होंने इसके बाद एक अन्य सवाल के जवाब में स्पष्ट किया कि मुझे किस्मत पर बहुत विश्वास है। मैं कभी साढ़े चार साल की योजना नहीं बना पाया, अभी साढ़े तीन साल और अभी बाकी है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बारे में पूछे जाने पर बाइडन ने कहा कि मैं पूरी उम्मीद कर रहा हूं कि अगर ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई तो वह भी मेरे साथ होंगी। वह बेहतरीन काम कर रही हैं। वह एक बेहतरीन साझेदार हैं।

पाकिस्तान ने पहली बार दुनिया को दिखाया अपना नया ड्रोन, भारत के खिलाफ करता है ऑपरेट

इंटरनेशनल डेस्क:

पाकिस्तान ने 23 मार्च को नेशनल डे परेड के दौरान शाहपार-II ड्रोन को पहली बार दुनिया के सामने प्रदर्शित किया। यह ड्रोन शाहपार-ढ्ढ का अपग्रेडेड वर्जन है, जो 300 किलोमीटर की दूरी तक उड़ान भर सकता है। इस ड्रोन को पाकिस्तान की ग्लोबल इंडस्ट्रियल डिफेंस सॉल्यूशन्स (**GIDS**) नाम की एक कंपनी ने बनाया है। बता दें कि पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय ने शाहपार-1 को साल 2013 में पहली बार पाकिस्तानी सेना और वायुसेना में आधिकारिक रूप से शामिल किया था। पाकिस्तान इस ड्रोन को भारत से लगी सीमा पर बहुत बड़ी संख्या में ऑपरेट करता है। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना अफगानिस्तान के बॉर्डर पर भी इसका इस्तेमाल करती है। मीडियम रेंज के इस यूएवी को पाकिस्तान ने नेशनल इंजिनियरिंग एंड साइंटिफिक कमीशन सहयोग से विकसित किया है। शाहपार-1 ड्रोन की लंबाई करीब 4.2 मीटर और पंखों की चौड़ाई 6.6 मीटर की है। इसका अपग्रेडेड वर्जन इससे भी बड़ा दिखाई देता है। ऐसे में उसके ईंधन की क्षमता और कई नए उपकरणों के साथ लैस होने की आशंका जताई जा रही है। यह ड्रोन 480 किलोग्राम तक के भार के साथ उड़ान भरने में सक्षम है। लेकिन, इतने कम वजन के साथ उड़ने के कारण ही यह ड्रोन किसी मिसाइल को लेकर जाने में असमर्थ बताया जाता है। इस यूएवी या ड्रोन में ऑटोमेटिक लैंडिंग और टेकऑफ करने की क्षमता है।

यह स्वतंत्र रूप से पायलट के गाइडेंस के अनुसार या उसके बिना पैराशूट के सहारे भी किसी रनवे पर उतर सकता है। पाकिस्तानी मीडिया में दावा किया जा रहा है कि यह ड्रोन 14 घंटे तक हवा में मंडरा सकता है।

बाइडन ने एक मई तक अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी की संभावना खारिज की

वाशिंगटन,

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक मई तक अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों की वापसी की संभावना को खारिज कर दिया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और तालिबान के बीच पिछले साल हुए समझौते के तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के लिए यह समय सीमा तय की गई थी।बाइडन ने व्हाइट हाउस के 'ईस्ट रूम' में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' एक मई की समय सीमा में काम समाप्त करना मुश्किल होगा, उन सैनिकों को वहां से बाहर निकालना मुश्किल होगा। इसलिए जो हम कर रहे हैं, जो मैं कर रहा हूं और जो विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन कर रहे हैं... वह यह है कि हम अपने सहयोगियों से मिल रहे हैं, उन अन्य देशों से जो नोटो सहयोगी हैं, जिनके सैनिक भी अफगानिस्तान में है। अगर हम वहां से अपने सैनिकों को वापस लाएंगे तो, इसे सुरक्षित तथा व्यवस्थित तरीके से करेंगे।'' बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन सहयोगियों और साझेदारों के साथ परामर्श कर रहा है कि अफगानिस्तान में आगे की प्रक्रिया क्या हो। अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन भी इस सप्ताह ब्रसेल्स में अपने नाटो सहयोगियों से मुलाकात करेंगे। बाइडन ने यहां अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की अफगानिस्तान की यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में एक प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी, कि कैसे इस युद्ध को समाप्त किया जाए। बाइडन ने कहा, '' मेरी मंशा वहां लंबे समय तक रहने की नहीं है।

पीएम मोदी ने बांग्लादेश की आजादी में भारतीय सैनिकों के बलिदान और तत्कालीन पीएम इंदिरा के रोल का खास जिक्र

ढाका ।

बांग्लादेश की आजादी की 50वी सालगिरह के जश्न के लिए ढाका में हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-बांग्लादेश संबंधों, दोनों देशों की साझी विरासतों और साझा लक्ष्यों पर विस्तार से बात की। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश की आजादी में भारत की भूमिका, भारतीय सैनिकों के बलिदान और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल का खास जिक्र किया। साथ ही उन्होंने, मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों और नरसंहार की याद दिलाकर कहा कि उन अत्याचारों और दमन की दुनिया में उतनी चर्चा नहीं होती, जितनी होनी चाहिए। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने फील्ड मार्शल मानेक शॉ, जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर, काजी नजरूल इस्लाम, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जैसी शख्सियतों का भी खास तौर पर जिक्र किया। पीएम मोदी ने बताया कि किस तरह उन्होंने खुद 20-22 साल की उम्र में बांग्लादेश की आजादी के लिए सत्याग्रह किया था और जेल भी गए थे। मुझे खुशी है कि बांग्लादेश की विकास यात्रा के इस अहम पड़ाव में आपने मुझे भी शामिल किया। आज बांग्लादेश का राष्ट्रीय दिवस है,वहीं स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ भी है। इसी साल ही भारत-बांग्लादेश मैत्री के 50 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। मैं सभी भारतीयों की तरफ से आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं बंग बंधु शेख मुजीबुर्रहमान को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूं। हम भारतवासियों के लिए गौरव की बात है कि हमें शेख मुजीबुर्रहमान जी को गांधी शांति पुरस्कार देने का मौका मिला। अभी इस कार्यक्रम में भव्य प्रस्तुति देने वाले सभी कलाकारों की भी सराहना करता हूं। मैं आज याद कर रहा हूं बांग्लादेश के उन लाखों बेटों-बेटियों को जिन्होंने अपने देश, अपनी भाषा, अपनी संस्कृति के लिए अनगिनत अत्याचार सहे, अपना खून दिया, अपनी जिंदगी दांव पर लगा दी। मैं आज याद कर रहा हूं मुक्तियुद्ध के शुरवीरों को।

मैं आज भारतीय सेना के उन वीर जवानों को भी नमन करता हूं जो मुक्ति युद्ध में बांग्लादेश के भाई-बहनों के साथ खड़े हुए। जिन्होंने मुक्ति युद्ध में अपना लहू देकर आजाद बांग्लादेश के सपने को साकार करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। फील्ड मार्शल सैम मानिक शॉ, जनरल अरोड़ा (जगजीत सिंह अरोड़ा), जनरल जैकब, लॉन्स नायक एल्बर्ट एक्का, ग्रुप कैप्टन चंदन सिंह, कैप्टन मोहन नारायण राव सामंत. इसतरह के अनगिनत कितने ही वीर हैं जिनके नेतृत्व और साहस की कथाएं हमें प्रेरित करती है। बांग्लादेश सरकार के द्वारा इन वीरों के सम्मान में वॉर मेमोरियल समर्पित किया गया है। इसके लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। मुझे खुशी है कि मुक्ति युद्ध में शामिल कई भारतीय सैनिक आज इस कार्यक्रम में हमारे साथ उपस्थित हैं। बांग्लादेश की आजादी के उस संघर्ष में शामिल होना भी मेरे जीवन के पहले आंदोलनों में से एक था।

मेरी उम्र 20-22 साल रही होगी जब मैंने और मेरे साथियों ने बांग्लादेश की आजादी के लिए सत्याग्रह किया था। तब मैंने गिरफ्तारी भी दी थी और जेल जाने का अवसर भी आया था। यानी बांग्लादेश की आजादी के लिए जितनी तड़प इधर थी, उतनी ही तड़प उधर भी थी। इस मौके पर पीएम मोदी ने पाकिस्तान की सेना ने जो जघन्य अपराध और अत्याचार किए, वहां तस्वीरें आज भी विचलित करती थीं। कई दिन तक सोने नहीं देती थीं। गोविंदो हलधर जी ने कहा था कि जिन्होंने अपने रक्त के सागर से बांग्लादेश को आजादी दिलाई, हम उन्हें भूलने वाले है।

एक निरंकुश सरकार अपने ही नागरिकों का नरसंहार कर रही थी। उनकी भाषा, उनकी आवाज और उनकी पहचान को कुचल रही थी। ऑपरेशन सर्च लाइट की उस क्रूरता को, दमन और अत्याचार के बारे में विश्व ने उतनी चर्चा नहीं की है, जितनी उसकी चर्चा होनी चाहिए।

संपादकीय

सेना में हक

हमारी सेनाओं में महिलाओं की भूमिका पर देश की सर्वोच्च अदालत ने जो टिप्पणी की है, वह न केवल सुखद, बल्कि प्रशंसनीय भी है। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को महिलाओं के स्थाई कमीशन पर सेना के मानकों को बेतुका और मनमाना बताया है। वैसे तो दिल्ली उच्च न्यायालय ने लगभग ग्यारह साल पहले ही सेना में महिलाओं को स्थाई कमीशन देने का फैसला सुना दिया था, लेकिन हकीकत यही है कि वह फैसला अभी भी पूरी तरह लागू नहीं हुआ है। इस दिशा में साल 2019 में काम चालू हुआ, लेकिन साल 2020 में सुप्रीम कोर्ट को फिर एक बार व्यवस्था देनी पड़ी कि सेना में महिलाओं के साथ किसी तरह का भेदभाव न किया जाए। अफसोस इसके बाद भी महिलाओं को अपने हक के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा और अब सुप्रीम कोर्ट ने सेना, सरकार व समाज के नजरिए पर जो टिप्पणी की है, वह मील के पत्थर की तरह है। अदालत ने तल्खी के साथ कहा है कि भारतीय समाज का ढांचा ऐसा है, जो पुरुषों द्वारा और पुरुषों के लिए बना है। आज के समय में भी अगर यह बात सुप्रीम कोर्ट के स्तर पर समझाने की जरूरत पड़ रही है, तो यह त्रासद है। वाकई, महिलाओं को उनके पूरे हक मिलने चाहिए, पुरुषों को कोई हक नहीं कि वे फैसले महिलाओं पर थोपें। इसके साथ ही कोर्ट ने सेना को दो महीने के भीतर 650 महिलाओं की अर्जी पर पुनर्विचार करते हुए स्थाई कमीशन देने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन में तैनात महिलाओं की क्षमता के आकलन का जो तरीका है, वह मनमाना और बेतुका है। यह तरीका सही होता, तो महिला अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। कोर्ट ने अपने 137 पृष्ठों के फैसले में यह भी कहा है कि कुछ ऐसी चीजें हैं, जो कभी नुकसानदायक नहीं लगती हैं, लेकिन जिनमें पितृ-सत्तात्मक व्यवस्था के कपट के संकेत मिलते हैं।' महिलाओं के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का ऐसे खड़ा होना ऐतिहासिक है, क्योंकि एकाधिक फैसलों में हमने कुछ जजों को पितृ-सत्तात्मक होते देखा है। बहरहाल, गुरुवार को शीर्ष अदालत जिस तरह स्त्रियों के पक्ष में खड़ी दिखी, उससे निश्चित ही महिलाओं को आगे के संघर्ष के लिए बुनियादी मनोबल हासिल होगा। सेना को आने वाले दिनों में अपने मानदंड सुधारने पड़ेंगे। यह धारणा पुरानी है कि महिलाओं का सेना में क्या काम। जब महिलाएं हर मोर्चे पर तैनाती के लिए तैयार हैं, तब उन्हें कौन किस आधार पर रोक सकेगा? जो योग्य महिलाएं हैं, जिनकी सेना में बने रहने की दिली तमन्ना है, उन्हें दस या बीस साल की नौकरी के बाद खोना नहीं चाहिए। उन्हें अफसर बनाकर उनके अनुभव का पूरा लाभ लेना चाहिए और पुरुषों के लिए तय उम्र में ही रिटायर करना चाहिए। उनको आगे बढ़ने से रोकने के लिए अलग मानदंड बनाना और तरह-तरह के बहानों से उनको कमांड या जिम्मेदारी देने की राह में बाधा बनना पुरुषवाद तो है ही, संविधान की अवहेलना भी है। बेशक, हर महिला मोर्चे पर नहीं जाएगी, लेकिन जो महिला जाना चाहेगी, उसे जाने देना ही सही न्याय है। बदले समय के साथ अब सेना की मानसिकता में बदलाव जरूरी है। हमारी सेना में महिलाओं की यथोचित भागीदारी उसे ज्यादा शालीन, सामाजिक, योग्य और कारगर ही बनाएगी।

आज के ट्वीट

उल्टी गिनती

आज से 35 दिन बाद से TMC के गुंडों की उल्टी गिनती प्रारम्भ होने वाली है, तब TMC की नहीं BJP की सरकार होगी। इन सभी गुंडों को ढूंढ-ढूंढ कर कानून के शिकंजे में डालने का कार्य किया जाएगा।

-- योगी आदित्यनाथ

प. बंगाल: बीजेपी और टीएमसी में सिमटा विधानसभा चुनाव

– डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

पश्चिम बंगाल में किसकी सरकार बनेगी, यह देखने के लिए चुनाव परिणाम की प्रतीक्षा करनी होगी। लेकिन यहां की चुनावी तस्वीर अभूतपूर्व है। पहली बार कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां हाशिये पर है। जबकि मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सिमट गया है। यह भी स्पष्ट है कि तृणमूल कांग्रेस की राह इसबार आसान नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाओं का दृश्य भी भाजपा का उत्साह बढ़ाने वाला है। जेपी नड्डा, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ भी पार्टी एजेंडे को प्रभावी रूप में आगे बढ़ा जाते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन्हें बाहरी बता रही हैं। यह उनकी निराशा की अभिव्यक्ति है। इसके जवाब में नरेंद्र मोदी ने दो तथ्य उठाये हैं। उनका कहना है कि पूरा देश एक है। यह राष्ट्रीय चिंतन है। बंगाल में जन्मे श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने ही जनसंघ की स्थापना की थी। यह आज भाजपा के नाम से देश की सबसे बड़ी पार्टी है। नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि बंगाल का बेटा ही भाजपा की तरफ से यहां का मुख्यमंत्री बनेगा। ममता बनर्जी ने अपने संकुचित विचार को ही उजागर किया है। वह रोहिंग्या व अवैध घुसपैठियों के प्रति सहानुभूति रखती हैं। कांग्रेस व कम्युनिस्ट की तरह यह उनके लिए वोटबैंक सियासत का हिस्सा है। जबकि अपने देश के नेताओं को बाहरी बता रही हैं। ऐसे में राष्ट्रीय धारा में विश्वास रखने वाले पश्चिम बंगाल के लोग ममता से असहमत हैं। इसीलिए नरेंद्र मोदी अमित शाह जेपी नड्डा योगी आदित्यनाथ आदि नेताओं की जनसभा में भारी भीड़ उमड़ रही है। ममता बनर्जी को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में वह केंद्रीय मंत्री थीं। तब वह भी राष्ट्र की ही बात करती थी। अब वह अपने स्वार्थ को वरियता दे रही है। इसलिए देश के नेता उनके लिए बाहरी हो गए। अवैध घुसपैठिये यहां के संसाधनों में हिस्सेदारी कर रहे हैं, वह तृणमूल कॉग्रेस के लिए अपने हो गए। जबकि अवैध घुसपैठियों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक माना जाता है। ममता बनर्जी भले ही देश के प्रधानमंत्री को बाहरी बता हों, लेकिन नरेंद्र मोदी की चुनावी सभा में रिकॉर्ड भीड़ उमड़ रही है। इसका मतलब है कि पश्चिम बंगाल के लोगों ने ममता बनर्जी के विचार को नकार दिया है। राष्ट्रीय पार्टी भाजपा के प्रति मतदाताओं का रुझान बढ़ रहा है। पूर्वी मिदनापुर के कांथी में रैली में नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी पर निशाना लगाया उन्होंने कहा कि बंगाल के कोने से कोने से अब एक ही आवाज़ आ रही है, बंगाल के हर घर से एक ही आवाज़ आ रही है, बंगाल के हर मुख से एक ही आवाज़ आ रही है। वह यह कि दो मई दीदी जाछे और आसोल परिवर्तन आछे। उन्होंने कहा कि जब जरूरत होती है तब दीदी दिखती नहीं, जब चुनाव आता है तो कहती हैं- सरकार दुआरे-दुआरे। यही इनका खेला है। पश्चिम बंगाल का बच्चा-बच्चा ये खेला समझ गया है। नरेंद्र मोदी के इस कथन पर जन समुदाय ने भारी उत्साह का प्रदर्शन किया। इससे जाहिर है कि नरेंद्र मोदी के प्रति उनका विश्वास है। ममता का बाहरी वाला मुद्दा यहां के लोगों ने खारिज कर दिया है। इसी क्रम में नरेंद्र मोदी यहां हुए घोटालों को उठा रहे हैं, जिसके चलते जरूरतमन्दों तक राहत नहीं पहुंची। नरेंद्र मोदी यह बताना चाहते है कि ममता बनर्जी चुनाव के कारण यहां के लोगों को अपना बता रही है।

यदि इन्हें अपना माना जाता तो इनको मिलने वाली सहायता का बंदरबांट नहीं होता। नरेंद्र मोदी ने खुला आरोप लगाया कि बंगाल में एम्फन की राहत राशि की लूट की गई। गरीबों को चावल नहीं मिला। वह भी घोटले की भेंट चढ़ गया। एम्फन प्रभावित लोग आज भी बदहाल हैं। ये आज भी टूटी हुई छतों के नीचे जीने को मजबूर क्यों हैं। मेदिनीपुर के पीड़ित प्रदेश सरकार से गुहार कर रहे हैं, सवाल उठा रहे हैं लेकिन ममता बनर्जी के पास इनका कोई जवाब नहीं है। इस बीच किसानों के नाम पर आंदोलन चलाने वाले नेता बंगाल पहुंचे हैं। यहां वे ममता बनर्जी का प्रचार कर रहे हैं। भाजपा ने अपरोक्ष रूप से इसको भी मुद्दा बना लिया है। उसके नेता किसान कल्याण संबन्धी अपनी सरकार की उपलब्धियां बता रहे हैं। इसी के साथ ममता बनर्जी पर किसानों का हित करने नाकाम रहने का आरोप लगा रहे हैं। वैसे भी दिल्ली सीमा पर महीनों से चल रहा आंदोलन देश के किसानों को आकर्षित करने में नाकाम रहा है। इसका बड़ा कारण है कि किसानों के बीच नरेंद्र मोदी की नेकनीयत पर विश्वास है। किसानों को लगता है कि कृषि कानून भी उनकी भलाई के लिए है। किसानों के नाम पर चल रहे आंदोलन की असलियत अब सामने आ रही है। अपने को चर्चा में बनाये रखने को आंदोलन के नेता पश्चिम बंगाल कूच कर रहे हैं। इस पैतरे से इस आंदोलन का राजनीतिक एजेंडा सामने आ गया है। आंदोलन के नेता भाजपा के विरुद्ध चुनाव प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल गए हैं। लेकिन विडंबना देखिए यहां ये नेता किसानों का मुद्दा उठाने की स्थिति में नहीं हैं।

क्योंकि जिसके पक्ष में वह प्रचार के लिए आये हैं, उनका किसान कार्यवृत्त दयनीय है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि किसान भूल नहीं सकता कि कैसे दीदी ने निर्ममता दिखाई है। दीदी ने आपको पीएम किसान सम्मान निधि से वंचित रखा। दो मई को बंगाल के विकास के बीच आ रही दीवारें टूट जाएंगी।

यहां भाजपा की सरकार बनेगी और किसानों के हक के तीन साल के पैसे भी उनके खातों में मैं जमा करके रहूंगा। पिछले तीन साल के जो पैसे दीदी ने नहीं दिए वह भी किसानों को दिया जाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

पात्रता

श्रीराम शर्मा आचार्य

पात्रता के अभाव में सांसारिक जीवन में किसी को शायद ही कुछ विशेष उपलब्ध हो पाता है। अपना सगा होते हुए भी एक पिता मूर्ख गैर जिम्मेदार पुत्र को अपनी विपुल संपत्ति नहीं सौंपता। कोई भी व्यक्ति निर्धारित कसौटियों पर खरा उतरकर ही विशिष्ट स्तर की सफलता अर्जित कर सकता है। मात्र मांगते रहने से कुछ नहीं मिलता, हर उपलब्धि के लिए उसका मूल्य चुकाना पड़ता है। बाजार में विभिन्न तरह की वस्तुएं दुकानों में सजी होती हैं, पर उन्हें कोई मुफ्त में कहां प्राप्त कर पाता है? पात्रता के आधार पर ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय आदि क्षेत्रों में भी विभिन्न स्तर की भौतिक उपलब्धियां हस्तगत करते सर्वत्र देखा जा सकता है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही सिद्धांत लागू होता है। भौतिक क्षेत्र की तुलना में अध्यात्म के प्रतिफल कई गुना अधिक महत्त्वपूर्ण, सामर्थ्यवान और चमत्कारी हैं। पात्रता के अभाव में अधिकांश को दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों से वंचित रह जाना पड़ता है, जबकि पात्रता विकसित हो जाने पर बिना मांगें ही वे साधक पर बरसती हैं। उन्हें किसी प्रकार का अनुनय-विनय नहीं करना पड़ता है। दैवी शक्तियां परीक्षा तो लेती हैं, पर पात्रता की कसौटी पर खरा सिद्ध होने वालों को मुक्तहस्त से अनुदान भी देती हैं। यह सच है कि अध्यात्म का, साधना का चरम लक्ष्य सिद्धियां-चमत्कारों की प्राप्ति नहीं है, पर जिस प्रकार अध्यवसाय में लगे छात्र को डिग्री की उपलब्धि के साथ-साथ बुद्धि की प्रखरता का अतिरिक्त अनुदान सहज ही मिलता रहता है, उसी तरह आत्मोत्कर्ष की प्रचंड साधना में लगे साधकों को उन विभूतियों का भी अतिरिक्त अनुदान मिलता रहता है, जिसे लोक-व्यवहार की भाषा में सिद्धि एवं चमत्कार के रूप में जाना जाता है। पर चमत्कारी होते हुए भी ये प्रकाश की छाया जैसी ही हैं। प्रकाश की ओर चलने पर छाया पीछे-पीछे अनुगमन करती है। अंधकार की दिशा में बढ़ने पर छाया आगे आ जाती है, उसे पकड़ने का प्रयत्न करने पर भी वे पकड़ में नहीं आतीं। इसी प्रकार अर्थात दिव्यता की ओर-श्रेष्ठता की ओर परमात्म पथ की ओर बढ़ने पर छाया अर्थात ऋद्धि-सिद्धियां साधक के पीछे-पीछे चलने लगती हैं। इसके विपरीत उन्हीं की प्राप्ति को लक्ष्य बनाकर चलने पर तो आत्म-विकास की साधना से वंचित बने रहने से वे पकड़ में नहीं आतीं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

महादेवी वर्मा- हिंदी के विशाल मंदिर की सरस्वती

जयंती विशेष :/ – देवेन्द्रराज सुथार

महादेवी वर्मा हिंदी साहित्य की सर्वाधिक प्रतिभावान कवयित्रियों में से एक हैं। ये छायावादी काव्य के चार प्रमुख आधार स्तंभों में से एक के रूप में जानी जाती हैं। महादेवी वर्मा को प्रयाग महिला विद्यापीठ की कुलपति बनने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। इन्हें अपनी रचनाओं में दर्द व पीड़ा की अभिव्यक्ति के कारण 'आधुनिक मीरा' और 'पीड़ा की गायिका' भी कहा जाता है। छायावादी काव्य के पल्लवन एवं विकास में इनका अविस्मरणीय योगदान रहा। कवि निराला ने उन्हें 'हिंदी के विशाल मंदिर की सरस्वती' की उपमा से भी सम्मानित किया है। महादेवी वर्मा हिंदी साहित्य में वेदना की कवयित्री के नाम से जानी जाती हैं एवं आधुनिक हिंदी साहित्य में रहस्यवाद की प्रवर्तक भी मानी जाती हैं। महादेवी वर्मा आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माताओं में महत्वपूर्ण स्थान की अधिकारिणी हैं। शिक्षा एवं साहित्य के प्रति प्रेम उन्हें विरासत में मिला था। अपनी माता से उन्होंने उनके स्वभाव की मृदुलता, उदारता, प्राणिमात्र के प्रति प्रेम एवं ईश्वर के प्रति अनन्य आस्था रखना सीखा था। महादेवी वर्मा बड़ी कुशाग्रबुद्धि की बालिका थीं और बचपन से ही मां से रामायण-महाभारत की कथाएं सुनते रहने के कारण इनके मन में साहित्य के प्रति आकर्षण उत्पन्न हो गया था। फलत: मौलिक काव्य की रचना इन्होंने बहुत छोटी आयु से आरंभ कर दी थी। नौ वर्ष की छोटी उम्र में ही इनका विवाह हो गया था; किंतु इनके विवाह के कुछ दिनों पश्चात ही इनकी माता का स्वर्गवास हो गया। इनके पति डॉक्टर थे, परंतु दाम्पत्य जीवन में इनकी कोई रुचि नहीं थी। महादेवी के ससुर स्त्री शिक्षा के विरोधी थे। इस कारण विवाह होने से इनका अध्ययन क्रम टूट गया; किंतु महादेवी का लगाव बचपन से ही सांसारिकता में नहीं था। अत: वे अपने पिता के साथ रहने लगी। इनके जीवन पर महात्मा गांधी का और कला-साहित्य साधना पर कवींद्र रवींद्र का प्रभाव पड़ा। इन्होंने नारी स्वातन्त्र्य के लिए संघर्ष किया और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए नारियों का शिक्षित होना आवश्यक बताया। महादेवी वर्मा का जन्म 26 मार्च, 1907 में उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध नगर फर्रुख़ाबाद में होलिका-दहन के पुण्य पर्व के दिन एक संभ्रांत कायस्थ परिवार में हुआ था। महादेवी वर्मा की एक छोटी बहन एवं दो छोटे भाई थे, जिनके नाम क्रमश: श्यामा देवी, जगमोहन वर्मा एवं महमोहन वर्मा था। महादेवी वर्मा की प्रिय सखी सुभद्रा कुमारी चौहान थीं, जो इनसे उम्र में कुछ ही बड़ी थीं। बचपन में ही इन्होंने सुभद्रा कुमारी चौहान की प्रेरणा पाकर लेखन कार्य आरंभ किया और अपने इस कार्य को अनवरत जारी रखा। महादेवी वर्मा की प्रारंभिक शिक्षा इंदौर में संपन्न हुई। उनकी शिक्षा का प्रारंभ 1912 में इंदौर के मिशन स्कूल से हुआ। वहां विभिन्न विषय जैसे-संस्कृत, अंग्रेजी, चित्रकला की शिक्षा योग्य शिक्षकों के द्वारा दी जाती थी। उन्होंने अपनी लगन एवं अथक प्रयास से 1920 में मिडिल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। आगे चलकर बी.ए. की परीक्षा प्रयाग विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। 1932 में प्रयाग विश्वविद्यालय में संस्कृत भाषा एवं साहित्य में एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्मा परिवार में पिछली सात पीढ़ियों से किसी पुत्री का जन्म नहीं हुआ था। महादेवी वर्मा अपने पिता श्री गोविंद सहाय वर्मा और माता हेमारानी की प्रथम संतान थीं। काफी मान-मनौती और इंतज़ार के पश्चात वर्मा-दम्पत्ति को कन्या-रत्न की प्राप्ति हुई थी। अत: पुत्री जन्म से इनके बाबा बाबू बांके विहारी जी प्रसन्नता से झूम उठे और इन्हें घर की देवी महादेवी कहा। इनके बाबा ने उनके नाम को अपने कुल देवी दुर्गा का विशेष अनुग्रह समझा और आदर प्रदर्शित करने के लिए नवजात कन्या का नाम महादेवी रख दिया। इस प्रकार इनका नाम महादेवी पड़ा। हिंदी के गद्य लेखकों में महीयसी महादेवी का मूर्धन्य स्थान है। महादेवी वर्मा छायावाद और रहस्यवाद की प्रमुख कवयित्री हैं। महादेवी वर्मा मूलत: कवयित्री हैं, कितु उनका गद्य भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। उनके गद्य में भी काव्य जैसा आनंद आता है। सरस कल्पना, भावुकता एवं वेदनापूर्ण भावों के अभिव्यक्त करने की दृष्टि से इन्हें अपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। वस्तुत: महादेवी वर्मा हिंदी काव्य साहित्य की विलक्षण साधिका थीं। एक कवयित्री के रूप में महादेवी वर्मा विलक्षण प्रतिभा की स्वामिनी थीं तथा इनके काव्य की विरह-वेदना अपनी भावात्मक कहनता के लिए अद्वितीय समझी जाती है। साहित्य और संगीत का अपूर्व संयोग करके गीत विधा को विकास की चरम सीमा पर पहुंचा देने का श्रेय महादेवी वर्मा को ही है। महादेवी वर्मा का नाम हिंदी साहित्य जगत में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाता है। वेदना के स्वरों की अमर गायिका महादेवी वर्मा ने हिंदी-साहित्य की जो अनवरत सेवा की है उसका समर्थन दूसरे लेखक भी करते हैं। कवितामय हृदय लेकर और कल्पना के सप्तरंगी आकाश में बैठकर जिस काव्य का सृजन किया, वह हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि है। हिंदी गीतों की मधुरतम कवयित्री के रूप में महीयसी महादेवी वर्मा अद्वितीय गौरव से मंडित हैं। जीवन के अंतिम समय तक साहित्य-साधना में लीन रहते हुए 80 वर्ष की अवस्था में 11 सितंबर, 1987 को प्रयाग में वेदना की महान कवयित्री महादेवी वर्मा ने अपनी आंखें सदा-सदा के लिए बंद कर ली।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'होली' विशेष

कभी जमुना तट पर राधा और कान्हा की टोली रासरंग में सराबोर नजर आती है, तो कभी ,सरजू तट पर जनक दुलारी राम संग टेसू रंग से होली खेल रही हैं, उधर भोले शंकर ऐर उनके गण मसाने में ही भूत-भभूत संग होली का धमाल मचा रहे हैं। सब ओर होली के रंग बिखर रहे हैं और फगुन की मादक बयार बह रही है। अवध काशी और ब्रज जैसे अलग-अलग अंचलो की होली के विविध रंग अपनी छटा बिखेर रहे हैं....

होलीका में आहुति देने वाली सामग्रीया

होलिका दहन होने के बाद होलिका में जिन वस्तुओं की आहुति दी जाती है, उसमें कच्चे आम, नारियल, भुट्टे या सप्तधान्य, चीनी के बने खिलौने, नई फसल का कुछ भाग है। सप्तधान्य हैं, गेहूं, उड़द, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर।

सुख - समद्धि मंत्र

वंदितासि सुरेंद्रेण ब्रह्मणा शंकरेण च। अतस्त्वं पाहि मां देवी! भूति भूतिप्रदा भव ॥ होलिका पूजन के समय इस मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।

अहकूटा भयत्रस्तैः कृता त्वं होलि बालिशैः अतस्वां पूजयिष्यामि भूति-भूति प्रदायिनी्? इस मंत्र का जप एक माला, तीन माला या फिर पांच माला विषम संख्याके रूप में करना चाहिए।

होली के रंग कान्हा के संग

होली का त्योहार कई पौराणिक गाथाओं से जुड़ा हुआ है। इनमें कामदेव, प्रह्लाद और पूतना की कहानियां प्रमुख हैं। प्रत्येक कहानी के अंत में सत्य की विजय होती है और राक्षसी प्रवृायिों का अंत होता है। कुछ लोग इस उत्सव का संबंध भगवान कृष्ण से मानते हैं। राक्षसी पूतना एक सुंदर स्त्री का रूप धारण कर बालक कृष्ण के पास गई। वह उनको अपना जहरीला दूध पिला कर मारना चाहती थी। दूध के साथ-साथ बालक कृष्ण ने उसके प्राण भी ले लिए। कहते हैं मृत्यु के पश्चात पूतना का शरीर लुप्त हो गया इसलिए ग्वालों ने उसका पुतला बना कर जला डाला। मथुरा तब से होली का प्रमुख केंद्र है।

होली और राधा - कृष्ण का कथा

होली का त्योहार राधा और कृष्ण की पावन प्रेम कहानी से भी जुड़ा हुआ है। वसंत के सुंदर मौसम में एक-दूसरे पर रंग डालना उनकी लीला का एक अंग माना गया है। वृन्दावन की होली राधा और कृष्ण के इसी रंग में डूबी हुई होती है। भगवान श्रीकृष्ण तो सांवले थे, परंतु उनकी आत्मिक सखी राधा गौरवर्ण की थी। इसलिए बालकृष्ण प्रकृति के इस अन्याय की शिकायत अपनी मां यशोदा से करते तथा इसका कारण जानने का प्रयत्न करते हैं। एक दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को यह सुझाव दिया कि वे राधा के मुख पर वही रंग लगा दें, जिसकी उन्हें इच्छा हो। नटखट श्रीकृष्ण यही कार्य करने चल पड़े। हम चित्रों व अन्य भक्ति आकृतियों में श्रीकृष्ण के इसी कृत्य को जिसमें वे राधा व अन्य गोपियों पर रंग डाल रहे हैं, देख सकते हैं। यह प्रेममयी शरारत शीघ्र ही लोगों में प्रचलित हो गई तथा होली की परंपरा के रूप में स्थापित हुई। इसी ऋतु में लोग राधा व कृष्ण के चित्रों को सजाकर सड़कों पर घूमते हैं। मथुरा में होली का विशेष महत्व है।

होली और धुंधी की कथा

भविष्यपुराण में वर्णित है कि सत्ययुग में राजा रघु के राज्य में माली नामक दैत्य की पुत्री ढोंढा या धुंधी थी। उसने शिव की उग्र तपस्या की। शिव ने वर मांगने को कहा तो उसने वर मांगा- प्रभु! देवता, दैत्य, मनुष्य आदि मुझे मार न सकें तथा अस्त्र-शस्त्र आदि से भी मेरा वध न हो। साथ ही दिन में, रात्रि, में शीतकाल में, उष्णकाल तथा वर्षाकाल में, भीतर-बाहर कहीं भी मुझे किसी से भय न हो। शिव ने तथास्तु कहा तथा यह भी चेतावनी दी कि तुम्हें उन्मत्त बालकों से भय होगा। वही ढोंढा नामक राक्षसी बालकों व प्रजा को पीड़ित करने लगी। 'अडाडा' मंत्र का उच्चारण करने पर वह शांत हो जाती थी। इसी कारण उसे 'अडाडा' भी कहते हैं। भगवान शिव के अभिशाप वश वह ग्रामीण बालकों की शरारत, गालियों व चिल्लाने के आगे विवश थी। ऐसा विश्वास किया जाता है कि होली के दिन ही सभी बालकों ने अपनी एकता के बल पर आगे बढ़कर धुंधी को गांव से बाहर धकेला था। वे जोर-जोर से चिल्लाते हुए तथा चालाकी से उसकी ओर बढ़ते ही गए। यही कारण है कि इस दिन नवयुवक कुछ अशिष्ट भाषा में हंसी मजाक कर लेते हैं, परंतु कोई उनकी बात का बुरा नहीं मानता।

श्री हरि विष्णु - हिरण्यकश्यप कथा

राजा हिरण्यकश्यप अहंकारवश स्वयं को ईश्वर मानने लगा। उसकी इच्छा थी कि केवल उसी का पूजन किया जाए, लेकिन उसका स्वयं का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। पिता के बहुत समझाने के बाद भी जब पुत्र ने श्री विष्णु जी की पूजा करनी बंद नहीं की, तो हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को दंड स्वरूप उसे आग में जलाने का आदेश दिया। इसके लिए राजा ने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को जलती हुई आग में लेकार बैठ जाए, क्योंकि होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जलेगी। होलिका प्रह्लाद को लेकर आग में बैठ गई, लेकिन होलिका जल गई और प्रह्लाद नारायण कृपा से बच गया। यह देख हिरण्यकश्यप अपने पुत्र से और अधिक नाराज हुआ। हिरण्यकश्यप को वरदान था कि वह न दिन में मर सकता है न रात में, न जमीन पर मर सकता है और न आकाश या पाताल में, न मनुष्य उसे मार सकता है और न जानवर या पशुपक्षी, इसीलिए भगवान ने उसे मारने के लिए संध्या का समय चुना और आधा शरीर सिंह का और आधा मनुष्य का, नृसिंह अवतार लिया। नृसिंह भगवान ने हिरण्यकश्यप की हत्या न जमीन पर की, न आसमान पर, बल्कि अपनी गोद में

पुजा विधि

होलिका दहन करने से पहले होली की पूजा की जाती है। इस पूजा को करते समय, पूजा करने वाले व्यक्ति को होलिका के पास जाकर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठना चाहिए। पूजा करने के लिए निम्न सामग्री को प्रयोग करना चाहिए। एक लोटा जल, माला, रोली, चावल, गंध, पुष्प, कच्चा सूत, गुड़, साबुत हल्दी, मूंग, बताशे, गुलाल, नारियल आदि। इसके अतिरिक्त नई फसल के धान्यों जैसे-पके चने की बालियां व गेहूं की बालियां भी सामग्री के रूप में रखी जाती हैं। इसके बाद होलिका के पास गोबर से बनी ढाल तथा अन्य खिलौने रख दिए जाते हैं। गोबर से बनाई गई ढाल व खिलौनों की चार मालाएं अलग से घर लाकर सुरक्षित रख ली जाती हैं। इसमें से एक माला पितरों के नाम की, दूसरी हनुमान जी के नाम की, तीसरी शीतला माता के नाम की तथा चौथी अपने घर-परिवार के नाम की होती है। कच्चे सूत को होलिका के चारों ओर तीन या सात परिक्रमा करते हुए लपेटना होता है। फिर लोटे का शुद्ध जल व अन्य पूजन की सभी वस्तुओं को एक-एक करके होलिका को समर्पित किया जाता है। रोली, अक्षत व पुष्प का भी पूजन में प्रयोग किया जाता है। गंध-पुष्प का प्रयोग करते हुए पंचोपचार विधि से होलिका का पूजन किया जाता है। पूजन के बाद जल से अर्घ्य दिया जाता है। सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में होलिका में अग्नि प्रज्वलित कर दी जाती है। इसमें अग्नि प्रज्वलित होते ही डंडे को बाहर निकाल लिया जाता है।

शिव - पार्वती कथा

पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय की बात है कि हिमालय पुत्री पार्वती की यह मनोइच्छा थी, कि उनका विवाह केवल भगवान शिव से हो। सभी देवता भी यही चाहते थे, परंतु श्री भोले नाथ थे कि सदैव गहरी समाधी में लीन रहते थे, ऐसे में माता पार्वती के लिए भगवान शिव के सामने अपने विवाह का प्रस्ताव रखना कठिन हो रहा था। इस कार्य में देवताओं ने कामदेव का सहयोग मांगा। कामदेव ने भगवान शंकर की तपस्या भंग करने के लिए प्रेम बाण चलाया, जिसके फलस्वरूप भगवान शिव की तपस्या भंग हो गई। तपस्या के भंग होने से शिवजी को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल कर कामदेव को भस्म कर दिया। कुछ समय पश्चात भगवान शिव ने माता पार्वती से विवाह कर लिया। होलिका दहन का पर्व, क्योंकि कामदेव के भस्म होने से भी संबंधित है इसलिए इस पर्व की सार्थकता इसी में है कि व्यक्ति होली के साथ अपनी काम वासनाओं को भस्म कर दें और वासनाओं से ऊपर उठ कर जीवन व्यतीत करें।

नारद - युधिष्ठिर कथा

पुराणों के अनुसार श्री नारदजी ने एक दिन युधिष्ठिर से यह निवेदन किया कि है राजन! फाल्गुन पूर्णिमा के दिन सभी लोगों को अभयदान मिलना चाहिए, ताकि सभी कम से कम एक साथ एक दिन तो प्रसन्न रहें। इस पर युधिष्ठिर ने कहा कि जो इस दिन हर्ष और खुशियों के साथ यह पर्व मनाएगा, उसके पाप प्रभाव का नाश होगा। उस दिन से पूर्णिमा के दिन हंसना-होली खेलना आवश्यक समझा जाता है।

हरि हर को झुले में झुलाने की प्रथा

होली से जुड़ी एक अन्य कथा के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा के दिन जो लोग चित को एकाग्र कर भगवान विष्णु को झूले में बिठाकर, झूलते हुए विष्णु जी के दर्शन करते हैं, उन्हें पुण्य स्वरूप वैकुण्ठ की प्राप्ति होती है।

राशि अनुसार खेलें रंग जीवन में लाएं खुशी के पल

होली रंगों का त्यौहार है और रंग प्रेम के परिचायक होते हैं। इन प्यार मोहब्बत के रंगों को वही व्यक्ति स्वीकार करता है जिन के मन में अनुराग और अपनत्व की भावना होती है। अपनी राशि के अनुसार अपने इष्ट का ध्यान कर अपने मन से सभी बुराईयों का दहन कर भविष्य की पवित्र, सुखद, शाश्वत, पापरहित और प्रेममयी होली के रंग अपने जीवन में लाने का संकल्प करें और सुनहरे भविष्य की उज्वल कामना करें।

- मेष : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली की पूजा करने के उपरांत मंदिर जाकर शिवालय के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए लाल गुलाल का प्रयोग करें।
- वृषभ : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत कन्या पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हल्के पीले रंग का प्रयोग करें।
- मिथुन : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हरे रंग का प्रयोग करें।
- कर्क : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत शिव परिवार का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए सफेद कपड़े धारण करें और केवल गुलाल से ही होली खेलें।
- सिंह : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान सूर्य नारायण का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए गुलाल एवं मेहरून रंग का प्रयोग करें।
- कन्या : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत गणपति बप्पा और धन के देवता कुबेर जी के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए टेसू रंग का प्रयोग करें।
- तुला : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत मां दुर्गा का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए लाल और पीले रंग का प्रयोग करें।
- वृश्चिक : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति और उनकी पत्नियों रिद्धि-सिद्धि का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए गुलाबी रंग का प्रयोग करें।
- धनु : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान दत्तात्रेय (गुरु महाराज) का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए पीले रंग का प्रयोग करें।
- मकर : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान श्री राम और उनके प्रिय भक्त हनुमान जी के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हल्का गुलाबी और पीला रंग प्रयोग में लाएं।
- कुंभ : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत श्री राम भक्त हनुमान जी का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हरे और सिंदूरी रंग का प्रयोग करें।
- मीन : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत बृहस्पति देव का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए पीले रंग का प्रयोग करें।

11 पैसों की मजबूती के साथ रुपया 72.51 पर बंद

मुंबई । करोबारी सप्ताह के अंतिम दिन रुपए में मजबूती देखने को मिली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 11 पैसों की मजबूती के साथ 72.51 पर बंद हुआ। मुद्रा बाजार में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 72.51 पर खुला तथा कारोबार के अंत में पिछले दिन के मुकाबले 11 पैसे की मजबूती के साथ 72.51 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले दिन यानी गुरुवार को 7 पैसों की गिरावट के साथ 72.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

56.50 लाख हेक्टेयर बढ़ा बुवाई का रकबा, अच्छी संकेत

नई दिल्ली। देश में खेती किसानी के क्षेत्र में अनुकूल हालात के चलते धान की रोपाई धीरे-धीरे बढ़ रही है। खरीफ की बुवाई के इस मौसम में अब तक 56.50 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'गर्मियों की बुवाई की प्रगति बहुत अच्छी है। रबी की फसल भी अच्छी है और देश में 26 मार्च तक कुल लगभग 48 प्रतिशत रबी की कटाई हो चुकी है।' विज्ञप्ति के अनुसार खरीफ की बुवाई पर कोविड-19 महामारी का असर नहीं है। वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) के खरीफ सत्र में अब तक 36.87 लाख हेक्टेयर में धान बोया गया है। एक साल पहले अब तक धान का रकबा 31.62 लाख हेक्टेयर था। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, असम, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और अन्य राज्यों में खरीफ धान की बुवाई शुरू हो गई है। मूंगफली जैसे तिलहनों की खेती का दायरा पिछले साल के 6.91 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 7.20 लाख हेक्टेयर हो गया है। दलहनों की बुवाई 5.53 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गयी हैं। एक साल पहले अब तक 3.58 लाख हेक्टेयर में दलहनों की बिजाई हुई थी। मोटे अनाजों का रकबा 6.79 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा है जो पिछले सल के 6.72 लाख हेक्टेयर से अधिक है। बयान में कहा गया है कि देश में 25 मार्च तक 130 जलाशयों में जल स्तर पिछले साल का 86 प्रतिशत था।

अशोक लीलैंड ने 4-एक्सल, 14 पहियों वाला ट्रक लांच किया

नई दिल्ली। हिंदुजा समूह की कंपनी अशोक लीलैंड ने शुक्रवार को अपने 4-एक्सल और 14 पहियों वाले ट्रक एवीटीआर 4120 पेश किया। इस ट्रक की कुल भारवहन क्षमता 4015 टन है। अशोक लीलैंड ने अपने एक बयान में बताया कि समान बनावट वाले दूसरे ट्रकों के मुकाबले यह ट्रक पांच टन अतिरिक्त पेलोड प्रदान करता है। अशोक लीलैंड के प्रबंध निदेशक विपिन सोंधी ने कहा हमारी कोशिश हमेशा अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और उनके लिए बेहतर लाभप्रदता मुहैया कराने की रही है और एवीटीआर 4120 इस दिशा में उठाया गया एक कदम है।

सितंबर तक रिन्यू कराई जा सकेगी कोविड पॉलिसी

नई दिल्ली । आपने कोरोना के कवरेज वाली इंश्योरेंस पॉलिसी नहीं ली है, तो आप उसे सितंबर तक के लिए खरीद सकते हैं और अगर पहले से खरीदा हुआ है, तो उसका कवरेज तब के लिए बढ़ा सकते हैं। इंश्योरेंस रेगुलेटर ने कोरोनावायरस से फैलने वाली महामारी के बढ़ते मामलों को देखते हुए बीमा कंपनियों को सितंबर तक के लिए नई कोविड पॉलिसी बेचने और पुरानी पॉलिसी को रिन्यू करने की इजाजत दी है। 18 से 65 साल के लोगों को कोविड के कवरेज वाली दो स्टैंडर्ड पॉलिसी-कोरोना कवच और कोरोना रक्षक जारी करने को लेकर बीमा कंपनियों के लिए पिछले साल जून में गाइडलाइंस जारी की थी। बीमा कंपनियों को 31 मार्च 2021 तक ये पॉलिसी जारी करने की इजाजत दी गई थी। अब बीमा कंपनियां 30 सितंबर 2021 तक के लिए ऐसी हेल्थ पॉलिसी बेच सकेंगी या इनको रिन्यू कर सकेंगी।

नया भारत बन रहा है, अगले पांच साल में बुनियादी ढांचा अमेरिका और यूरोप से कम नहीं होगा: गडकरी

बिजनेस डेस्क :

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक नया भारत बन रहा है जहां ढांचागत सुविधाएं अगले 5 साल में अमेरिका और यूरोप से कम नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में 17 लाख करोड़ रुपये मूल्य की परियोजनाओं के साथ इस संदर्भ में मजबूत आधारशिला रखी जा चुकी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) मंत्री ने कहा कि पिछड़े क्षेत्रों, पूर्वोत्तर और सीमावर्ती इलाकों का विकास सरकार की प्राथमिकता है। गडकरी ने टाइम्स नेटवर्क इंडिया एकोनॉमिक कॉन्क्लेव में कहा,'मैं आपको गारंटी दे सकता हूं कि अगले 5 साल में भारत का बुनियादी ढांचा बदल जाएगा यह अमेरिका और यूरोपीय देशों से कहीं से भी कम नहीं होगा, एक नया भारत उभर रहा है। उन्होंने कहा कि और इसकी आधारशिला पहले ही पड़ चुकी है। पिछले पांच साल में बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 17 लाख करोड़ रुपए मूल्य के उनके मंत्रालयों में काम हुए हैं। गडकरी ने कहा कि हरित एक्सप्रेसवे गलियारों का नेटवर्क बिछाया जा रहा है। इसमें एक लाख करोड़ रुपए का दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे शामिल हैं। तीस किलोमीटर द्वारका एक्सप्रेसवे का निर्माण 10,000 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। यह इंजीनियरिंग का बेजोड़ नमूना है। इससे दिल्ली की सीमाओं पर सिंगापुर जैसे दृश्य देखने को मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सीमावर्ती इलाकों में सड़कों को बेहतर बनाया गया है और पिथौड़ागढ़ के रास्ते कैलाश मानसरोवर मार्ग पर करीब 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। किसानों के आंदोलन के बारे में गडकरी ने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन का सबको अधिकार है लेकिन उन्हें आम लोगों को इससे होने वाली परेशानियों के बारे में सोचना चाहिए। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बारे में मंत्री ने कहा कि राज्य में बदलाव तय है और भाजपा एक अच्छा विकल्प है।

दुनियाभर में पबजी मोबाइल को 100 करोड़ लोगों ने किया डाउनलोड

बीजिंग। दुनियाभर में लोकप्रिय हुए चीन के मोबाइल गेम पबजी मोबाइल को चीन के बाहर कुल 100 करोड़ लोगों ने अब तक डाउनलोड कर लिया है। कंपनी ने अपने एक ट्वीट में कहा, दुनिया में सबसे लोकप्रिय बैटल रॉयल गेम्स में से एक पबजी मोबाइल ने एक नया मील का पत्थर हासिल किया है। टेनसेंट के अनुसार, चीन के बाहर 100 करोड़ लोगों ने इसे डाउनलोड किया है। एनालिटिक फर्म सेंसर टावर के आंकड़े के मुताबिक, डाउनलोड के मामले में पबजी दो अन्य गेमों से पीछे रहा है। ये किलू गेम्स का सबवे सर्फर्स और किंग डिजिटल एंटरटेनमेंट का कैंडी क्रश सागा है। कंपनी ने अपने ऑनलाइन गेम पर एक रिपोर्ट जारी करते हुए यह घोषणा की और दावा किया कि चौथी तिमाही में इसका राजस्व 29 प्रतिशत बढ़ा है। ऐसा चीन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में वीडियो गेम के लिए भुगतान करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या में उछाल आने के चलते हुआ है।

दस फीसदी गिरी बिटक्वाइन की कीमतें

मुंबई । दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वॉइन की कीमत में 10 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, जिससे यह 57,000 डॉलर से फिसलकर 51,000 पर आ गया। बिटक्वॉइन में यह गिरावट तब आई है जब इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली अमेरिकी कंपनी टेस्ला के फाउंडर एलन मस्क ने हाल ही में ट्वीट किया था कि ग्राहक अब बिटक्वॉइन से टेस्ला कार खरीद सकेंगे। जानकारों का कहना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बयान ने बिटक्वॉइन की हवा निकाल कर रख दी है। पॉवेल के बयान के बाद बिटक्वॉइन की कीमतों में एक झटके में 10 से 15 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को दोपहर के समय बिटक्वॉइन की कीमत करीब 15 फीसदी गिरकर 52,250 डॉलर पर आ गई। पॉवेल ने कहा था कि दुनिया की सबसे पुरानी क्रिप्टोक्यूरेंसी अपनी अस्थिरता के चलते भुगतान का सही माध्यम नहीं है, इसलिए लोगों को ये समझना होगा कि इसमें निवेश बहुत जोखिम भरा है। उन्होंने ये भी कहा था कि क्रिप्टोकरेंसी डॉलर की बजाय सोने का विकल्प हो सकती है। हाल ही में टेस्ला ने क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वॉइन में निवेश किया तो उड़ान रुकने का नाम नहीं ले रही थी। टेस्ला समेत कई कंपनियों ने बिटक्वॉइन को डिजिटल करेंसी के तौर पर मंजूरी दे दी है। टेस्ला के अलावा दिग्गज इंश्योरेंस कंपनी मास-म्यूचुअल, ऐसेट मैनेजर गैलेक्सी डिजिटल होल्डिंग, ट्विटर के सीईओ जैक डोरसी की पेमेंट कंपनी स्क्वॉयर ने भी बिटक्वॉइन में बड़ा निवेश किया है, जिसके कारण इसकी कीमतें आसमान छू रही हैं।

वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बाद दो दिन की गिरावट से उभरा बाजार, सेंसेक्स में 568.38 अंक की बढ़त

मुंबई।

दुनिया के वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच मुंबई शेयर बाजार दो दिन की गिरावट के बाद शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। निवेशकों ने हालिया गिरावट वाले बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में जमकर लिवाली की, इसकारण बाजार चढ़ गए। कारोबारियों ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से बाजार धारणा को बल मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 568.38 की बढ़त के साथ 49,008.50 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 182.40 अंक की बढ़त के साथ 14,507.30 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे अधिक 4.49 प्रतिशत दौड़ा। इसके अलावा एशियन पेंट्स, टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज ऑटो, भारती एयरटेल, एचडीएफसी और नेस्ले इंडिया के शेयर भी लाभ में रहे। सेंसेक्स की बढ़त में एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के शेयरों का प्रमुख योगदान रहा।

उच्चतम न्यायालय ने साइरस मिस्त्री को टाटा समूह के कार्यकारी चेयरमैन पद पर बहाल करने के राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के फैसले को रद्द कर दिया है। इस खबर के बाद टाटा समूह की कंपनियों के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, आईटीसी और मारुति के शेयर 0.97 प्रतिशत तक टूट गए। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 849.74 अंक या 1.70 प्रतिशत टूटा है। वहीं निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर 236.70 अंक या 1.60 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है।बाजार जानकारों ने कहा, आर्थिक वृद्धि की राह में अड़चन की आशंका के बीच शेयर बाजारों में एकीकरण हो रहा है। अमेरिका के रोजगार बाजार के सकारात्मक आंकड़ों तथा चौथी तिमाही में अमेरिकी की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत पर पहुंचने से यह गिरावट कुछ कम हुई है।'' नायर ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर आंकड़ों से पता चलता है कि चौथी तिमाही में आर्थिक गतिविधियां बेहतर रही हैं। कोविड-की दूसरी लहर और ऊंचे मूल्यांकन की वजह से निकट भविष्य में बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा।'' बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 1.66 प्रतिशत का लाभ रहा।

अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी उल्लेखनीय लाभ के साथ बंद हुए। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी बढ़त में थे। इस बीच, वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 2.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 63.22 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ 72.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पिछले तीन कारोबारी सत्रों में रुपये में गिरावट आई थी।

जून तक मिल जाएगा एयर इंडिया को नया मालिक, एविएशन मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी का आया बड़ा बयान

बिजनेस डेस्क :

वित्तीय संकट से जूझ रही सरकारी विमान कंपनी एयर इंडिया के सामने सिर्फ दो ही विकल्प बचे हैं या तो इसे निजी हाथों में सौंप दिया जाए या इसे बंद कर दिया जाए। सिविल एविएशन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज ये बातें कहीं। पुरी ने कहा कि एयर इंडिया के भविष्य को लेकर मई 2021 के अंत तक फैसला हो जाएगा। पुरी के मुताबिक सरकार एयर इंडिया के विनिवेश को लेकर एक नई समय सीमा को लेकर विचार कर रही है और फाइनेंसियल बिड्स मंगाने पर विचार हो रहा है। एक समारोह में बोलते हुए मिनिस्टर ऑफ स्टेट फॉर सिविल एविएशन पुरी ने जानकारी दी कि एयर इंडिया के विनिवेश की प्रक्रिया पूरी होने तक इसे चालू रखा जाएगा। एयर इंडिया को इससे पहले भी प्राइवेट करने की कोशिशें हुई थीं लेकिन पुरी के मुताबिक वह पूरे मन से नहीं किया जा रहा था, इसलिए सफलता नहीं मिली।

जो सही से चलाएगा वह नुकसान में नहीं रहेगा

पुरी ने यह भी कहा कि इससे पूर्व में एयर इंडिया के निजीकरण को लेकर जो कोशिशें की गई हैं वो पूरी तरह दिल से नहीं थीं। इस बार जरूर हमें खरीदार मिलेगा। एयर इंडिया का असेट बहुत ही शानदार है। नया मालिक इस बात को बखूबी जानता होगा कि एक एयरलाइन को किस तरह चलाना चाहिए। वह उन गलतियों को नहीं दोहराएगा जो पूर्व में दोहराई गई हैं। वर्तमान में सरकार को इस एयरलाइन को जिंदा रखने के लिए खर्च करने पड़ रहे हैं। इस पैसे का अभी दुरूपयोग हो रहा है।

2018 में 76फीसदी हिस्सेदारी बेचना चाहती थी सरकार

इससे पूर्व 2018 में सरकार एयर इंडिया में अपनी 76 फीसदी हिस्सेदारी बेचना चाहती थी जिसके लिए कोई खरीदार नहीं मिला। उसके बाद सरकार ने अपनी पूरी हिस्सेदारी और एयर इंडिया की इंटरनेशनल सब्सिडियरी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस को भी बेचने का फैसला किया। इसके अलावा ग्राउंट हैंडलिंग यूनिट AISATS में भी 50 फीसदी हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है।

अभी तक मिले हैं दो खरीदार

फिलहाल टाटा ग्रुप और स्पाइसजेट की तरफ से इसे खरीदने के लिए बोली लगाई गई है। माना जा रहा है कि वित्त वर्ष 2020-21 में एयरलाइन को कम से क म 10 हजार करोड़ का नुकसान होगा। एयर इंडिया पर कुल कर्ज घटकर 23 हजार करोड़ रुपए रह गया है। इसके लिए 30 हजार करोड़ के वर्किंग कैपिटल कर्ज को सरकारी अधिकृत स्पेशल पर्पज व्हीकल को शिफ्ट कर दिया है।

सैमसंग ने दक्षिण-पूर्व एशिया में शुरू की माइक्रो एलईडी टीवी की बिक्री

सोल। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि इसने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में कंपनी के पहले माइक्रो एलईडी टीवी की बिक्री शुरू कर दी है। ऐसा महामारी के बाद से शुरू हुए ट्रेंड स्टे-एट-होम के दरमियां प्रीमियम टीवी की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। सैमसंग ने कहा कि साल 2021 में कंपनी की तरफ से पेश होने वाले टेलीविजन सेट में नियो क्लूएलईडी टीवी भी शामिल है। इसमें क्व ॅानटम मिनी एलईडी का इस्तेमाल किया गया है, जो कि आम एलईडी की साईज का सिर्फ 1/40 है। सिंगापुर में बुधवार को नियो क्लूएलईडी टीवी की लॉन्चिंग की गई और अगले महीने अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी इन्हें उपलब्ध कराया जाएगा। सिंगापुर से पहले सैमसंग ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में नियो क्लूएलईडी टीवी को लॉन्च किया था। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी की योजना अप्रैल में न्यूजीलैंड में इसकी बिक्री शुरू करने की है।

टाटा के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला, दोबारा चेयरमैन नहीं बनेंगे मिस्त्री

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा संस लिमिटेड और शापूरजी पलोनजी ग्रुप के सायरस मिस्त्री के मामले पर फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने टाटा संस के पक्ष में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सायरस मिस्त्री को कंपनी का दोबारा चेयरमैन नियुक्त करने का एनसीएलएटी का फैसला पलट दिया। टाटा संस ने इस फैसले खिलाफ याचिका दायर की थी। नेशनल कंपनी लॉ अपीलीय ट्राइब्यूनल (एनसीएलएटी) ने 17 दिसंबर 2019 को यह फैसला सुनाया था कि टाटा संस के चेयरमैन पद पर मिस्त्री की दोबारा बहाली होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला पलट दिया। हालांकि एनसीएलएटी ने 10 जनवरी 2020 को जो फैसला लिया था, सुप्रीम कोर्ट ने उसे बरकरार रखा। चीफ जस्टिस एसए बोब्दे, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 17 दिसंबर 2020 को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। एनसीएलएटी ने अपने ऑर्डर में 24 अक्टूबर 2016 के फैसले को अवैध बताया, जिसमें मिस्त्री को डायरेक्टर और चेयरमैन पद से हटाया गया था। ट्राइब्यूनल का कहना है कि यह फैसला गलत ढंग से लिया गया है लिहाजा अब मिस्त्री को बहाल कर दिया गया है। ट्राइब्यूनल ने यह भी कहा कि टाटा संस के नए चेयरमैन के तौर पर एन चंद्रशेखरन की नियुक्ति इलीगल है। इस फैसले को लागू करने में 4 सप्ताह का समय दिया गया है ताकि टाटा ग्रुप अपील कर सके। फैसले के दूसरे हिस्से में कोर्ट ने कहा है कि तीन कंपनियों में मिस्त्री को तत्काल प्रभाव से लागू करने को कहा है। यह फैसला सिर्फ उन्हीं तीन कंपनियों पर लागू होगा जिससे मिस्त्री को हटाया गया था। सेबी के नियम के मुताबिक, किसी भी कंपनी में किसी भी बदलाव की जानकारी शेयर बाजार को देनी होगी क्योंकि उन फैसलों का असर शेयरों पर होता है। हालांकि टाटा ग्रुप ने अभी तक शेयर बाजार को मिस्त्री की बहाली की जानकारी आधिकारिक तौर पर नहीं दी है।

वेदांता, ओएनजीसी के साथ तेल समझौते को 2030 तक बढ़ाने का आदेश रद्द

नई दिल्ली ।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एकल न्यायाधीश के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें राजस्थान स्थित बाड़मेर ब्लॉक से तेल का उत्पादन करने के लिए केन्द्र को वेदांता, ओएनजीसी के साथ अपने अनुबंध को 2030 तक बढ़ाने का निर्देश दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने 31 मई 2018 के एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार की अपील को स्वीकर किया। एकल न्यायाधीश के आदेश में वेदांता, जिसका नाम पहले केयर्न इंडिया था, के पक्ष में फैसला दिया गया था। इस ब्लॉक में सरकारी कंपनी ओएनजीसी भी 30 प्र(तिशत की हिस्सेदार है। बाकी हिस्सेदारी वेदांता लिमिटेड के पास है।

केंद्र सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि वेदांता के साथ उत्पादन साझेदारी समझौता (पीएससी) नई नीति के तहत आएगा। कंपनी ने इसका विरोध किया।

एकल न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा था कि वेदांता अनुबंध के विस्तार के लिए हकदार थी। इस समझौते को 2020 में समाप्त होना था।

मकानों की बिक्री ने प्री-कोविड स्तर को बड़े अंतर से किया पार, बिके 58290 मकान

नई दिल्ली :

कोरोना वायरस महामारी के कारण संकट में गुजरे साल 2020 के बाद रियल्टी उद्योग के लिए 2021 की पहली तिमाही राहत भरी खबर लेकर आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले साल की तुलना में भारत के शीर्ष सात शहरों में मकानों की बिक्री 29 फीसदी बढ़ी है। इन तीन महीनों में 58,290 मकान बिके। पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 45,200 था। शीर्ष सात शहरों में मुंबई, बंगलूरू, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, पुणे व चेन्नई शामिल हैं। मकानों की बिक्री ने प्री-कोविड स्तर को बड़े अंतर से पार कर लिया है। शीर्ष सात शहरों में प्रॉपर्टी के दामों में एक से दो फीसदी की बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। संपत्ति क्षेत्र की सलाहकार कंपनी एनारॉक द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के मुताबिक मकानों की बिक्री में इजाफा सबसे ज्यादा मुंबई और पूणे में हुआ है। मुंबई में मकानों की बिक्री 46 फीसदी बढ़ी है और पुणे में 47 फीसदी इजाफा हुआ है। एनारॉक के अनुसार, महाराष्ट्र में स्टांप शुल्क दरों में की गई कमी से उद्योग को फायदा हुआ है। होम लोन का रेट निचले स्तर पर आने से भी बिक्री में इजाफा हुआ। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मकानों की बिक्री पर स्टांप शुल्क में कमी करने से बिल्डरों के साथ-साथ खरीदार को भी काफी राहत मिली। इससे मुंबई और पुणे में रियल्टी क्षेत्र में मांग बढ़ाने में काफी मदद मिली।

लॉन्च किए गए 62,130 यूनिट्स

2021 की पहली तिमाही में 62,130 यूनिट्स लॉन्च किए गए। पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 41,220 यूनिट्स था। इस दौरान बंगलूरू एकमात्र शहर ऐसा शहर है जहां नए लॉन्च मकानों में 11 फीसदी वार्षिक गिरावट देखी गई। वहीं हैदराबाद में रिकॉर्ड 270 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। कुल नए लॉन्च घरों का 43 फीसदी हिस्सा मिड-सेगमेंट घरों में शामिल है, जिनकी कीमत 40 लाख से 80 लाख रुपए के बीच है।

अमेज़न इंडिया ने अर्थ ऑवर के लिए अपना योगदान देते हुए 222 घंटे से अधिक समय के लिए अपनी सभी इमारतों की बिजली बंद रखेगा

राष्ट्रीय। अमेज़न इंडिया ने इस साल के अर्थ आवर के दौरान प्रतीकात्मक तौर पर देश भर में अपने सभी ऑपरेशन साइट्स और कॉरपोरेट कार्यालयों में बिजली 'स्विच ऑफ' करने की घोषणा की है। कंपनी सामूहिक कार्रवाई के जरिये ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए वैश्विक आंदोलन में शामिल होगी। इस पहल के अंतर्गत 27 मार्च, 2021 को अर्थ ऑवर के दौरान 8.30 – 9.30 रात के बीच अमेज़न इंडिया अपनी इमारतों में 222 घंटे से अधिक समय के लिए 'लाइट ऑफ'करके आंदोलन में योगदान देगा।

अमेजन इंडिया का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर इस विश्वव्यापी आंदोलन में भाग लेगा, जिसमें 15 राज्यों के 60 से अधिक फुलफिलमेंट सेंटर्स, 19 राज्यों के सॉर्ट सेंटर्स और 1750 अमेज़न के स्वामित्व वाले और पार्टनर डिलिवरी स्टेशनों के नेटवर्क के साथ-साथ इसके कॉरपोरेट कार्यालय भी शामिल हैं। यह प्रतिबद्धता अमेज़न के अपनी इमारतों के अलावा भी दिखेगी और 750 से अधिक शहरों और तिरुवनंतपुरम, लेह और चंपई जैसे शहरों में लगभग 1500 डिलिवरी सर्विस पार्टनर स्टेशन भी अर्थ आवर के दौरान कुछ मिनटों के लिए अपने सभी स्टेशनों की बिजली बंद रखेंगे। यह इवेन्ट हमारी धरती के ज्वलंत मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में शामिल दुनिया भर के लाखों लोगों के साथ, अमेज़न इंडिया के कर्मचारियों, एसोसिएट्स, पार्टनर्स और इसके इकोसिस्टम को जोड़ेगा। प्रतिबद्धता के बारे में बताते हुए, प्रकाश कुमार दत्ता, वाइस प्रेसिडेंट, फुलफिलमेंट सेंटर एवं सप्लाई चेन ऑपरेशंस, अमेज़न इंडिया, ने कहाकि "सस्टेनेबिलिटी हमारा मुख्य आधार है और हम एक एनर्जी एफिशिएंट सप्लाई चेन बनने के साथ अपने कार्बन फुटप्रिंट्स में कमी लाने के अपने संकल्प के साथ हैं। अर्थ आवर ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए सस्टेनेबल कार्रवाई करने को लेकर वैश्विक जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस पहल के साथ, अमेज़न इंडिया अर्थ आवर के दौरान 222 घंटे रोशनी बंद करके ऊर्जा संरक्षण के महत्व को दोहराने के लिए अपने इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग कर रहा है। हमने अपने कर्मचारियों, एसोसिएट्स और पार्टनर्स को इस आंदोलन के समर्थन में अपने-अपने घरों और कार्यालयों में रोशनी बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया है।"

CMYK

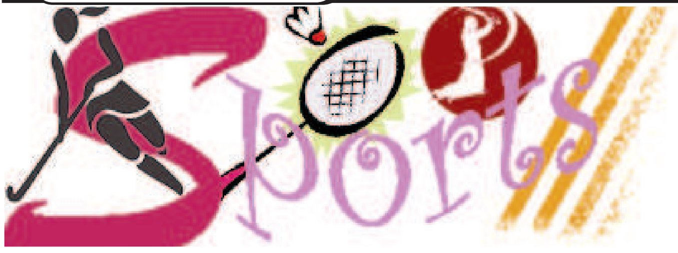

टेनिस : बार्टी और सबालेंका जीत के साथ मियामी ओपन के अगले दौर में पहुंचीं

मियामी. विश्व की नंबर-1 ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी और सातवीं सीड बेलारूस की एरिना सबालेंका अपने-अपने मुकाबले जीत मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गई हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बार्टी ने स्लोवाकिया की क्रिस्टिना कुकोवा को दो घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-5 से हराया। सबालेंका ने बुल्गारिया की स्वेताना पिरोंकोवा को 0-6, 3-6, 7-6 (9) से हराया। तीसरी सीड रोमानिया की सिमोना हालेप और पांचवीं सीड यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। चीन की नंबर एक वांग किआंग को चेक गणराज्य की मारकेटा वोंद्रुसोवा ने 6-4, 6-4 से हराया।

वेलिंगटन वनडे : कॉनवे, मिशेल की पारी से न्यूजीलैंड ने किया क्लीन स्वीप

वेलिंगटन. डेवोन कॉनवे (126) और डेरिल मिशेल (नाबाद 100) की शानदार शतकीय पारी और जेम्स नीशम (5/27) की बेहतरीन गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने यहां बेसिन रिजर्व मैदान पर खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश को 164 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत क्लीन स्वीप कर ली। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लबाजी करते हुए कॉनवे के 110 गेंदों पर 17 चौकों की मदद से 126 और मिशेल के 92 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 318 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम 42.4 ओवर में 154 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश की ओर से महमुदुल्लाह ने 73 गेंदों पर छह चौकों और चार छक्कों की मदद से सर्वाधिक नाबाद 76 रन बनाए। इससे पहले, न्यूजीलैंड की पारी में कॉनवे और मिशेल के अलावा मार्टिन गुप्तिल ने 26, हेनरी निकोल्स ने 18 और कप्तान टॉम लाथम ने 18 रन बनाए। बांग्लादेश की तरफ से रूबेल हुसेन ने तीन विकेट और मुस्ताफिजुर रहमान, तास्किन अहमद और सौम्य सरकार ने एक-एक विकेट लिया। बांग्लादेश की पारी में महमुदुलाह के अलावा लिटन दास ने 21 और मुशफिकुर रहीम ने 21 रन बनाए। न्यूजीलैंड की तरफ से नीशम के अलावा मैट हेनरी ने चार विकेट और काइल जैमिसन ने एक विकेट लिया। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच वनडे सीरीज के बाद 28 मार्च से तीन टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला हेमिल्टन में खेला जाएगा।

साई अकादमी ने सब-जूनियर महिला अकादमी हॉकी खिताब जीता

भुवनेश्वर.

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) अकादमी ने ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर को पेनाल्टी शूटआउट के माध्यम से 5-4 से हराकर पहली सब जूनियर महिला अकादमी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप खिताब जीत लिया। दोनों टीमें रेगुलेशन टाइम तक 2-2 से बराबरी पर थी। साई अकादमी दो मौकों पर पीछे चल रही थी लेकिन बाद में उसने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया।

साई अकादमी के लिए सोनम ने 38वें और कीर्ति ने 55वें मिनट में गोल कर किए जबकि मेजबान टाटा हॉकी सेंटर के लिए प्रीत अमन कौर ने 8वें और प्रिया टोप्पो ने 42वें मिनट में गोल किए। शूटआउट में एक समय दोनो टीमें 4-4 की बराबरी पर थीं लेकिन पूजा साहू ने अपनी टीम को चैंपियनशिप जीतने में मदद करने वाला गोल करते हुए मुकाबले को समाप्त किया। इससे पहले दिन में, मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी ने राउंड ग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी को 8-0 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

स्वाति ने विजेता टीम के लिए 28वें, 33वें, 38वें और 57वें मिनट में चार गोल किए जबकि कप्तान भूमीक्षा साहू ने दो गोल किए।

बैडमिंटन : अश्विनी-सिक्की महिला युगल के सेमीफाइनल में

ऑर्लियंस (फ्रांस). भारत की अश्विनी पोनप्पा और एन. सिक्की रेड्डी शुक्रवार को यहां ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल सेमीफाइनल में पहुंच गईं। आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इंग्लैंड की तीसरे वरीय क्लो बिर्च और लॉरेन स्मिथ को 42 मिनट में 21-14, 21-18 से हराया। अश्विनी और सिक्की का सामना अब शनिवार को सेमीफाइनल में थाईलैंड की शीर्ष वरीय जोंगकोल्फन किताथरकुल और राविंडा प्रांगोंगजई से होगा। पुरुष युगल में हालांकि ध्रुव कपिला और एमआर अर्जुन की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। इन दोनों को इंग्लैंड के कैलम हेमिंग और स्टीवन स्टालवुड ने कड़े मुकाबले के बाद 21-19, 18-21, 23-21 से हराया। यह मुकाबला एक घंटा 2 मिनट चला।

शूटिंग विश्व कप : भारत ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन मिक्सड टीम में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली.

भारत के संजीव राजपूत और तेजस्विनी सावंत ने यहां कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चल रहे आईएसएसएफ शूटिंग विश्व कप में शुक्रवार को 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन मिक्सड टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। राजपूत और तेजस्विनी ने फाइनल में यूक्रेन के सेरही कुलिश और अन्ना इलिना को 31-29 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस विश्व कप में यह भारत का 11वां स्वर्ण पदक है। इस बीच, एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और सुनिधि चौहान ने अमेरिका के तिमोथी शेरी और वर्जिनिया थ्राशेर को 31-15 से हराकर कांस्य पदक जीता। राजपूत और तेजस्विनी इससे पहले 588 का स्कोर कर फाइनल क्वालीफिकेशन राउंड में पहुंचे थे। दोनों निशानेबाजों ने 294-294 अंक हासिल किए। पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल इवेंट में सभी तीन भारतीय निशानेबाज गुरप्रीत सिंह, अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारतीय निशानेबाजों ने इससे पहले महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट में तीनों पदक जीत कर क्लीन स्वीप किया था। इस वर्ग में चिंकी यादव ने स्वर्ण, राही सरनोबात ने रजत और मनु भाकर ने कांस्य पदक जीते थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड ने 11वें सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट का खिताब जीता

जींद (हरियाणा). झारखंड ने यहां आयोजित 11वीं सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप हॉकी टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में झारखंड ने पेनल्टी शूटआउट के जरिए मेजबान हरियाणा को 3-1 से हराया। 60 मिनट के रेगुलेशन टाइम में कोई गोल नहीं हो सका। उत्तर प्रदेश के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में अपने प्रदर्शन की तरह, झारखंड के गोलकीपर दुगा मुंडा एक बार फिर नायक बनकर उभरे। उन्होंने अपने विरोधियों के तीन प्रयासों को बेकार किया जबकि झारखंड के लिए शूटआउट में असीम एक्का, दीपक सोरेंग और रोशन रीतिक लाकड़ा ने गोल किए। इससे पहले, उत्तर प्रदेश ने मणिपुर के खिलाफ 23-0 की शानदार जीत के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। उप्र के लिए अंकित कुमार प्रजापति (7वें मिनट, 14वें, 30वें, 47वें, 49वें, 55वें) ने छह गोल किए जबकि नीतीश भारद्वाज ने पांच गोल किए। इसके अलावा फहद खान और अजित यादव ने तीन-तीन गोल किए।

बीसीसीआई ने पहले मैच में कोहली के कैच छोड़ने को शानदार प्रयास बताया

पुणे. भारतीय कप्तान विराट कोहली ने यहां महाराष्ट्र क्रिकेट संघ स्टेडियम में हुए पहले वनडे मैच के दौरान इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन का कैच छोड़ा था, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसे शानदार फील्डिंग प्रयास करार दिया है। कोहली ने पहले वनडे में 17वें ओवर में मोर्गन का कैच छोड़ा था लेकिन बीसीसीआई ने अपनी वेबसाइट पर इसे कोहली का शानदार फील्डिंग प्रयास बताया है। बीसीसीआई ने उस मैच की क्लिप पोस्ट कर लिखा, कोहली ने स्लिप्स में शानदार फील्डिंग का प्रयास किया। उन्होंने कैच पकड़ लिया था लेकिन गेंद उनके हाथ से निकल गई। उनका शानदार प्रयास। कोहली को खेल भावना दिखाने के लिए पूरे नंबर मिलेंगे। कोहली ने स्लिप्स में कैच पकड़ी लेकिन गेंद उनके हाथ से निकल गई थी। मोर्गन पिच पर खड़े होकर यह देख रहे थे लेकिन उनके हाथ से गेंद निकलते ही वह क्रीज पर पहुंचे। मोर्गन हालांकि 22 रन बनाकर आउट हुए और इंग्लैंड ने यह मुकाबला 66 रनों से गंवाया।

भारत के विजयवीर सिंधू को 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में रजत

नई दिल्ली । भारत के विजयवीर सिंधू ने आईएसएसएफ विश्व कप में शुक्रवार को 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। एस्तोनिया के पीटर ओलेस्क को स्वर्ण पदक मिला। दोनों 40 शॉट के फाइनल में 26 निशाने लगाकर बराबरी पर थे। शूटआउट में पीटर ने पांच में से चार निशाने लगाये जबकि विजयवीर ही निशाना लगा सके। अन्य भारतीय निशानेबाजों में अनीश भानवाला और गुरप्रीत सिंह पांचवें और छठे स्थान पर रहे जबकि पोलैंड के ओस्कर मिलिवेक को कांस्य पदक मिला। दूसरे क्वालीफिकेशन में गुरप्रीत तीसरे स्थान पर और अनीश पांचवें स्थान पर रहे थे।

आईपीएल से पहले भारतीय क्रिकेटरों की नहीं मिला 15 दिनों का ब्रेक

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को व्यस्त कार्यक्रमों के कारण इस साल होने वाले आईपीएल से पहले 15 दिनों का ब्रेक नहीं मिल सका। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी सीरीज 28 मार्च को खत्म हो रही है। भारत ने इंग्लैंड से सीरीज खेलने से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाकर सभी प्रारूपों की सीरीज खेली थी। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद आईपीएल होना है और भारतीय टीम को इस बीच सिर्फ नौ दिनों का आराम मिलेगा। लोढ़ा समिति ने अपने सिफारिश में यह सुझाव दिया था कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीरीज और आईपीएल के शुरू होने में कम से कम 15 दिनों का अंतराल होना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि व्यस्त कार्यक्रमों के कारण ब्रेक मिलने से भारतीय खिलाड़ियों को थोड़ी राहत मिलती है और उनके काम का बोझ भी थोड़ा हल्का होता है। हालांकि इन सिफराशिों पर कम ही गौर किया जाता है। आईपीएल के पिछले सत्र में क्रिकेटरों में कोराना महामारी के कारण क्रिकेट गतिविधियां ठप्प होने की वजह से काफी लंबा ब्रेक मिला था। 2019 में आईपीएल से पहले खिलाड़ियों को नौ दिनों का ब्रेक मिला था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रशासकों की समिति ने उस वक्त उच्चतम न्यायालय को बताया था कि देश में आम चुनाव के कारण ऐसा कार्यक्रम तय करना पड़ा है। 2018 के आईपीएएल में समिति की सिफारिशों का पालन किया गया था और आईपीएल तथा अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले 15 दिनों से ज्यादा का अंतर था। लेकिन 2017 में इसका पालन नहीं हुआ था।

बैडमिंटन : किदांबी श्रीकांत ऑर्लियंस मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ऑर्लियंस .

भारत के किदांबी श्रीकांत यहां चल रहे ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। श्रीकांत ने राउंड-16 के मुकाबले में मलेशिया के चिएम जून वेई को 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 22-20 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। श्रीकांत से पहले सायना नेहवाल और ईरा शर्मा ने भी अपने-अपने मुकाबले जीत कर महिला एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। सायना ने गुरुवार को राउंड 16 मुकाबले में फ्रांस की मारिए बातोमेने को 18-21, 21-15, 21-10 से हराया। महिला एकल वर्ग के एक अन्य मुकाबले में ईरा ने बुल्गारिया की मारिया मितसोवा को 21-18, 21-13 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी।इस बीच, मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और अश्विनी पोनप्पा तथा पुरुष युगल में कृष्णा प्रसाद गरागा और विष्णु वर्धन गौड़ पंजाला ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।मिश्रित युगल में कपिला और अश्विनी ने इंग्लैंड की जोड़ी कालुम हेमिंग और विक्टोरिया विलियम्स को 32 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 21-18 से हराया। पुरुष युगल मुकाबले में कृष्णा और पंजाला ने डेनमार्क की जोड़ी क्रिस्टियन होल्डट क्रेमेर और मार्कक्स रिदहज को सिर्फ 28 मिनट में 21-17, 21-13 से हराया।

एएफसी महिला एशिया कप का आयोजन भारत के तीन शहरों में होगा

नई दिल्ली.

भारत में होने वाले एएफसी महिला फुटबॉल एशिया कप 2022 का आयोजन देश के तीन शहरों में किया जाएगा। एशिया फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) और स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) ने बताया कि इस टूर्नामेंट के मुकाबले नवी मुंबई, अहमदाबाद और भुवनेश्वर में 20 जनवरी से छह फरवरी 2022 तक होंगे।महिला एशिया कप के मुकाबले नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम, अहमदाबाद के ट्रांस्टेडिया और भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में होंगे।एएफसी के महासचिव दातो विंदसोर जॉन ने कहा, ÷एशिया में महिला फुटबॉल विश्व स्तरीय है और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और एलओसी ने इस टूर्नामेंट के आयोजन के लिए बेहतरीन आयोजन स्थल को चुना है।उन्होंने कहा, एएफसी, एआईएफएफ, एलओसी और तीन मेजबान शहरों का आभारी है जिन्होंने इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन की प्रतिबद्धता जाहिर की है। हमें विश्वास है कि इस टूर्नामेंट से भारत में महिला फुटबॉल काफी विकसित होगा। एआईएफएफ के अध्यक्ष और फीफा काउंसिल के सदस्य प्रफुल पटेल ने कहा, ÷हम भारत में एएफसी महिला एशिया कप के आयोजन के लिए उत्साहित हैं। अहमदाबाद, भुवनेश्वर और नवी मुंबई ने फुटबॉल इंफ्रास्ट्रकचर को अपग्रेड करने के लिए काफी काम किया है। एएफसी महिला एशिया कप के क्वालीफायर्स 13 से 25 सितंबर 2021 तक होंगे।

अर्जेंटीना और जर्मनी दौरे से खेल को निखारने में मदद मिली : सविता

बेंगलुरू । भारतीय महिला हॉकी टीम भले ही अर्जेंटीना और जर्मनी दौरे से एक भी मैच जीते बिना लौट आई हो लेकिन उपकप्तान सविता का मानना है कि उच्च रैंकिंग वाली इन टीमों के खिलाफ खेलने से ओलंपिक से पहले खिलाड़ियों को अपना खेल निखारने में मदद मिली। भारतीय टीम ने जनवरी फरवरी में अर्जेंटीना दौरे पर सात मैच खेले जिनमें से एक में भी जीत नहीं मिली। जूनियर, अर्जेंटीना बी और सीनियर टीम ने उसे हराया । इसके बाद जर्मनी में भारतीय टीम चारों मैच हार गई। सविता ने कहा कि पिछले एक साल से प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेलने की वजह से हमें पता नहीं था कि इन शीर्ष टीमों के खिलाफ कैसे खेलेंगे। हमने फिटनेस पर काफी मेहनत की और एक दूसरे के खिलाफ काफी मैच खेले। लेकिन अर्जेंटीना के खिलाफ खेलकर ही हमें अपनी कमजोरियों का पता चला । यह भी पता चला कि ओलंपिक से पहले कहां सुधार करना है। हमने इन दौरों पर अलग अलग संयोजन आजमाये जिससे ओलंपिक की टीम तैयार करने में मदद मिलेगी।

CMYK

गुजरात में किसान नेताओं की पुलिस के द्वारा धरपकड़

अहमदाबाद । किसान सम्मेलन के संबंध में मीडिया से मिलने पहुंचे किसान नेताओं की अहमदाबाद पुलिस ने धरपकड़ की तो किसान नेताओं ने कहा कि इस घटना से गुजरात सरकार का चेहरा उजागर हो गया है । गुजरात में किसानों को दबाया जा रहा है । भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत आगामी चार-पांच अप्रैल को गुजरात के पालनपुर, अहमदाबाद, गांधीनगर, करमसद बारडोली आने वाले हैं। राकेश टिकैत इस दौरान गुजरात के किसान संगठनों तथा किसानों से मुलाकात करेंगे तथा किसान सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे । राकेश टिकैत इस यात्रा में चार अप्रैल को अंबामाताजी के दर्शन कर यात्रा की शुरुआत करेंगे । पांच अप्रैल को साबरमती आश्रम, सरदार पटेल स्मारक करमसद व बारडोली भी जाएंगे । उनके इसी कार्यक्रम की जानकारी देने भारतीय किसान युनियन के राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह गुजरात के कुछ किसान नेताओं के साथ शुक्रवार दोपहर अहमदाबाद रिंग रोड पर तपोवन सर्किल के पास एक रेस?त्रां में पत्रकार वार्ता करने पहुंचे । इसी दौरान गुजरात पुलिस के कुछ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर युद्धवीर सिंह, जगतात फाउंडेशन के जेके पटेल, धरती पुत्र ट्रस्ट के गजेंद्र सिंह सहित पांच लोगों की यह कहते हुए धरपकड़ कर ली कि उन्होंने इसकी मंजूरी नहीं ली । धरपकड़ के दौरान युद्धवीर सिंह ने कहा कि गुजरात सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है । गुजरात में किसानों की आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात आंदोलन की धरती है । महात्मा गांधी व सरदार पटेल ने यहां से ही देश की आजादी के आंदोलन की शुरुआत की थी । उनका कहना था कि जब प्रधानमंत्री एक देश, एक कानून की बात करते हैं तो देश के किसान एक होकर आपस में बात क?यों नहीं कर सकते । मीडिया से मिलने के लिए भी कौन सी मंजूरी की जरूरत है । उन्होंने कोई गुनाह नहीं किया, लेकिन यहां प्रजातंत्र नहीं है । सरकार व पुलिस की मनमानी है । गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से किसान नेता राकेश टिकैत देश में विभिन्न स्थानों पर नए कृषि कानून के विरोध में महापंचायत कर रहे हैं । इस दौरान वह नए कृषि कानून को लेकर किसानों को जानकारी दे रहे हैं । राकेश टिकैत अब तक बंगाल, राजस्थान सहित कई राज्यों का दौरा कर चुके हैं । दिल्ली बॉर्डर पर किसान पिछले काफी समय से नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं ।

गुजरात विधानसभा संचालन की जिम्मेदारी कांग्रेस के हाथ में आई

गांधीनगर । १४ वीं गुजरात विधानसभा के आठवें सत्र में आज २६ मार्च को वरिष्ठ कांग्रेसी विधायक डॉ। अनिल जोशीयारा ने स्पीकर की कुर्सी पर बैठकर प्रोटेम स्पीकर के रूप में सदन की कार्यवाही का संचालन किया। यह इसलिए उनको मिला क्योंकि सदन में उपाध्यक्ष का पद खाली है । अगर स्पीकर किसी वजह से सदन की कार्यवाही का संचालन नहीं कर पाते तो प्रोटेम स्पीकर के पैनल में से किसी एक विधायक को प्रोटेम स्पीकर की जिम्मेदारी दी जाती है । बीस साल बाद किसी कांग्रेस सदस्य को यह जिम्मेदारी मिलने के बाद विधानसभा की सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बना हुआ है । दशकों पहले से सत्तारूढ़ पार्टी का सदस्य ही स्पीकर की जिम्मेदारी संभालता है। जबकि विपक्षी दल के सदस्य को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलती है । लेकिन गुजरात में यह प्रक्रिया पिछले तीन दशकों से बंद है । जिसकी वजह से उपाध्यक्ष का पद खाली है । जिसकी वजह से स्पीकर द्वारा प्रोटेम स्पीकर का पांच सदस्यीय पैनल बनाया गया है । जिसमें सत्तारूढ़ दल के तीन सदस्य हैं जिनमें नीमाबेन आचार्य, दुष्यंत पटेल और पूर्णेश मोदी और कांग्रेस के दो सदस्य शामिल हैं । अनिल जोशीयारा और राज ेंद्रसिंह परमार को रखा गया । अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष प्रोटेम स्पीकर के पैनल के किसी एक सदस्य को सदन के संचालन की जिम्मेदारी सौंपता है । आज स्पीकर राज ेंद्र त्रिवेदी अन्य कार्यों में व्यस्त थे और सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले पाए थे। जिसकी वजह से उन्होंने सदन को चलाने की जिम्मेदारी प्रोटेम स्पीकर को सौंप दी थी। भाजपा सदस्य के रूप में निमाबेन आचार्य और दुष्यंत पटेल और पूर्णेश मोदी सदन में उपस्थित नहीं थे । जिसकी वजह से कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक डॉ। अनिल जोशीयारा को सदन की कार्यवाही चलाने की जिम्मेदारी दी गई । गुजरात विधानसभा में कई साल के बाद किसी कांग्रेसी सदस्य को सदन के संचालन की जिम्मेदारी दी गई है ।

सुरत में मास्क नहीं पहनने पर भरना ही होगा जुर्माना

सूरत । सूरत पुलिस की ओर से दावा किया गया था कि अब मास्क नहीं पहनने वालों से जुर्माना नहीं बल्कि ऐसे लोगों को मुफ्त में मास्क दिया जाएगा । लेकिन पुलिस का यह दावा २४ घंटे भी नहीं टिक पाया और नया बयान सामने आ गया। सूरत पुलिस कमिश्नर अजय तोमर ने कहा कि मास्क के मामले को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मास्क नहीं पहनने वालों को जुर्माना तो भरना ही होगा। सूरत पुलिस अपने दावे से मात्र २४ घंटों में यू-टर्न ले लिया । उसके बाद सूरत के पुलिस कमिश्नर अजय तोमर ने कहा "अगर कोई नागरिक मास्क नहीं पहनता है। तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा । मैं सभी नागरिककों से अपील करता हू कोरोना के खिलाफ जारी जंग को जीतने के लिए हमें मास्क पहनना होगा। मास्क के मामले को लेकर पुलिस कोई समझौता नहीं करने वाली है । मुझे पूरा विश्वास है कि अगर लोग कोरोना दिशानिर्देशों का पालन करेंगे तो हम कोरोना के खिलाफ जारी जंग को जीतने में जरूर कामयाब होंगे ।" गौरतलब है कि इससे पहले सूरत में कोरोना के बढ़ते आतंक के बीच सूरत पुलिस आयुक्त, गुजरात भाज पा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सीआर पाटिल, सूरत नगरपालिका आयुक्त ने एक अहम बैठक में फैसला लिया था कि अब सूरत में मास्क नहीं पहनने वालों से जुर्माना नहीं वसूला जाएगा। बल्कि ऐसा करने वाले लोगों को मुफ्त में मास्क देकर जागरुकता फैलाने की कोशिश की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले सूरत में पुलिस मास्क नहीं पहनने वालों से ज ुर्माना नहीं बल्कि मास्क देने का फैसला किया था। सूरत नगर निगम और पुलिस ने एक नया अभियान शुरू किया था। जिसका नाम था "दंड नहीं, मास्क पहनो" । सूरत के जॉइंट सीपी प्रवीण मल के अनुसार, लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए अभियान शुरू किया गया है। १०० प्रतिशत लोगों को मास्क पहनने और दूसरों को भी मास्क पहनने के लिए राजी करने के लिए यह फैसला किया था।

रंग डालते पकड़े गए तो होगी कानूनी कार्रवाई

अहमदाहाद । गुजरात में कोरोना के बढ़ते आतंक के बीच २९ मार्च को होली के त्योहार का आयोजन होने वाला है । होली से पहले देश के एक दर्जन से अधिक राज्यों में खतरे की घंटी बज रही है । सरकार ने लोगों से घर पर रहकर त्योहार मनाने की अपील की है। कोरोना मामलों में वृद्धि के मद्देनजर सभी राज्य सरकारों ने होली के त्योहार के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं । कुछ राज्यों ने होली और शब-ए-बरात के सार्वजनिक उत्सव पर प्रतिबंध लगा दिया है । अहमदाबाद पुलिस ने भी होली त्योहार को लेकर अधिसूचना जारी की है । अहमदाबाद पुलिस की अधिसूचना के अनुसार, यदि आप धुलेटी के मौके पर किसी भी व्यक्तिपर रंग डालते अथवा भीड़ में बाहर निलकते हैं तो पुलिस कार्रवाई कर सकती है। इस दौरान अहमदाबाद शहर की पुलिस में सख्त गश्त की व्यवस्था की है। इतना ही नहीं अलग-अलग थानों को अतिरिक्त बल आवंटित करने की तैयारी की गई है। पुलिस को सुबह-शाम सघन गश्त के साथ स्टैंड-बाय पर रहने का आदेश दिया गया है।

होली-धुलेटी पर्व के अवसर पर पुलिस आयुक्त द्वारा जारी नियमों का उल्लंघन करने वाले नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घुलेटी के मौके पर एक साथ भीड़ में और वाहनों से निकलने वाले लोगों पर भी पुलिस कार्रवाई कर सकती है । इस दौरान पुलिस लगातार पेट्रोलिंग करेगी । इतना ही नहीं पूरे शहर की निगरानी के लिए १,५०० सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया जाएगा। विशेष रूप से शहर के मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक सिग्नलों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से होली मनाने के लिए बाहर निकलने वाले लोगों पर नज़र रखी जाएगी। अगर पुलिस को किसी जगह पर भीड़ दिखाई देगी तो वह फौरन स्थानिक पुलिस स्टेशन को इसकी सूचना देगी । गुजरात के उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि आवासीय सोसायटियों और गांवों में सीमित संख्या में लोगों की मौजूदगी के साथ सरकार 'होलिका दहन' की इजाजत देगी । उन्होंने कहा कि लोगों को भीड़ में एक दूसरे पर रंग डालने की अनुमति नहीं होगी । पटेल ने कहा, 'इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि मुझे विश्वास है कि गुजरात के लोग नियमों का पालन करेंगे और होली नहीं खेलेंगे ।'

कोरोना के बढ़ते आतंक के बीच बुलाई जाए संयुक्तदल की बैठक

गांधीनगर । गुजरात में कोरोना का कहर दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कोरोना पर काबू पाने के लिए राज्य सरकार एक के बाद एक फैसले ले रही है । बावजूद इसके कोरोना के दैनिक मामले हर दिन नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। राज्य में कोरोना मामलों की दैनिक संख्या हर दिन २ हजार के करीब पहुंच गई है। दैनिक मामलों में दर्ज की जाने वाली भारी वृद्धि के बाद एक्टिव मामलों की संख्या ९ हजार के पार पहुंच गई है। गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने कोरोना के बढ़ते आतंक के बीच ट्वीट कर लिखा "गुजरात में आज से एक साल पहले कोरोना महामारी की स्थिति जैसे थी वैसी ही आज हैं। पिछले पाँच दिन से लगातार दो हज़ार के आसपास कोरोना के मरीज़ मिल रहे हैं।

मैंने पहले भी कहा था, आज भी कहता हूँ की गुजरात सरकार संयुक्त दल की बैठक बुलाए, इस विपरीत परिस्थिति के ख़िलाफ सब साथ मिलकर लड़े ।" गुजरात स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबित सूरत नगर निगम में ५०१ नए मामले दर्ज किए गए थे। इस दौरान गुजरात में जिन ७ लोगों की मौत हुई, उनमें से सूरत कॉर्पोरेशन में ४, महिसागर में २ और अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में एक व्यक्ति ने अपनी जान गंवाई । वहीं ताजा मामलें की बात करें तो अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सर्वाधिक ५५१, वडोदरा कॉर्पोरेशन में १६४, राजकोट कॉर्पोरेशन में १४६ और सूरत में १२७ नए संक्रमित मिले हैं। गुजरात में कोरोना के दैनिक मामलों की संख्या में २५ ।३० प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। ५ दिन पहले यानि २० मार्च को १५६५ कोरोना के नए मामले सामने आए थे। जो आज बढ़कर २ हजार के करीब पहुंच गए हैं। एक दिन में गुजरात में कभी भी इतने मामले सामने नहीं आए हैं।

जम्मू और कश्मीर पर्यटन द्वारा सूरत में आयोजित रोड शो

सूरत। मैरियट सूरत (गुजरात) में जम्मू होटल और रेस्तरां एसोसिएशन कटरा (एचआरके) के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित एक रोड शो का आयोजन जम्मू के केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मल्टीसिटी ड्राइव के हिस्से के रूप में किया गया था। जम्मू और कश्मीर पर्यटन विकास निगम (JKTDC) के उप महाप्रबंधक अश्विनी गुप्ता ने कहा कि जम्मू तीर्थयात्रा, अवकाश और साहसिक पर्यटन का एक संयोजन है और इसने कई प्रकार की विविधताएं पाई हैं और पर्यटक जम्मू के खूबसूरत स्थानों पर जाकर दिन बिता सकते हैं। जम्मू पर्यटन की विविधता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल वैष्णोदेवीजी और भगवान शिव हर साल 1 करोड़ और 20 लाख तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते हैं जो कई देशों की जनसंख्या से अधिक है। और इसी तरह से शाहदरा शरीफ भी तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है और दूसरी तरफ पटनीटॉप, सनासर, भादरवाह, नाथा टॉप ऐसी जगहें हैं जो दुनिया में किसी भी अवकाश गंतव्य के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

हम स्विट्जरलैंड, एनडी, ज्यूरिख आदि सहित यूरोपीय देशों की प्रशंसा करते हैं और जब हम एडवेंचर टूरिज्म की बात करते हैं, तो हम सिर्फ 30 किमी दूर चेन्ने नदी में कटराब वैष्णोदेवी, रणजीत सागर झील, बागलीहार झील, मानसर, सुरिंसर लेक में वाटर स्पोर्ट्स को याद नहीं करते हैं। ।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री अजय कोतवाल एचआरके ने कहा कि पर्यटक वैष्णोदेवीजी को केंद्र बिंदु बना सकते हैं और शिव खोरी (79 किमी), पटनीटॉप (78 किमी), सनासर (105 किमी), नत्था टॉप (93 किमी) की यात्रा कर सकते हैं।) ।, भदरवाह (160 किमी), सुध महादेव (70 किमी), माचेल माता जी (150 किमी), बेबली माता (45 किमी), रघुनाथ मंदिर (45 किमी), मानसर (60 किमी), सर्जन (50 किमी) । विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज कौरई (80 किमी), चिनाब रिवर राफ्टिंग प्वाइंट (30 किमी) आदि और तीर्थस्थल, अवकाश और वन साहसिक पर्यटन की विविधता का आनंद ले सकते हैं और उसी तरह कश्मीर जा सकते हैं।

अहमदाबाद अडानी एयरपोर्ट पर पार्किंग का चार्ज बढ़ गया

अहमदाबाद। देश के हवाई अड्डों का निजीकरण होने के बाद मनमानी होने लगी है । अहमदाबाद हवाई अड्डे पर अडानी ने पार्किंग के समय को काफी कम कर दिया और पार्किंग चार्ज को भी बढ़ा दिया। पहले २ घंटे के लिए कार पार्किंग के लिए ८० रुपये था। लेकिन अब सिर्फ आधा घंटा के लिए ८० रुपये के बजाय ९० रुपये कर दिया गया है। जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ेंगी। नई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हमेशा पीएम मोदी पर अडानी और अंबानी को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाते हैं। अब लोग यह भी सोच रहे हैं कि राहुल गांधी के आरोप सच साबित हो रहे हैं। क्योंकि मंदी के इस दौर में भी अंबानी-अडानी की आमदनी में भारी वृद्धि दर्ज की जा रही है। उनकी कंपनियों के साथ नए अनुबंध किए जा रहे हैं। शेयर की कीमतें बढ़ रही हैं। अहमदाबाद के अडानी एयरपोर्ट पर अब आपको दो घंटे कार पार्क करने के लिए ८० रुपया के बदले १५० रुपया अदा करना पड़ेगा। इसी तरह दोपहिया वाहन के लिए सिर्फ आधे घंटे के लिए ३० रुपये और दो घंटे के लिए ८० रुपये का भुगतान करना होगा । एयरपोर्ट ऑपरेटर ने पार्किंग के लिए शुल्क की एक नई सूची तैयार की है। जिसके अनुसार आधे घंटे से २ घंटे और २४ घंटे तक के साथ ही साथ मासिक पास के लिए शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके अलवा हवाई अड्डे के नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के लिए जुर्माना ४०० रुपये से बढ़ाकर १,००० रुपये कर दिया गया है। कोच या बस के लिए ३० मिनट का ५०० और २ घंटे के लिए ८०० भुगतान करना होगा । टेंपो और मिनीबस की कीमत ३० मिनट के लिए ३०० रुपये और २ घंटे के लिए ५०० रुपये होगा। निजी और वाणिज्यिक गाड़ियों के लिए समान दरें निर्धारित की गई हैं।

सूरत में आकाश इंस्टीट्यूट के सात छात्रों ने जेईई मेन्स 2021 के मार्च सत्र में 99 परसेंटाइल और उससे अधिक अंक प्राप्त किए

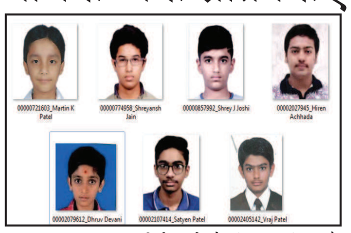

सूरत। सूरत के आकाश इंस्टीट्यूट के सात छात्रों ने जेईई मेन्स 2021 परीक्षा के मार्च सत्र में 99 परसेंटाइल और उससे अधिक अंक प्राप्त करके शहर और संस्थान को गौरवान्वित किया है। उनमें से उल्लेखनीय छात्र हैं श्रेयांश जैन 99.89 परसेंटाइल, मार्टिन के पटेल ने 99.63 परसेंटाइल, ध्रुव देवानी ने 99.54 परसेंटाइल, सत्येन पटेल ने 99.50 परसेंटाइल, हिरेन अचढा ने 99.41 परसेंटाइल, श्रेय जोशी ने 99.09 परसेंटाइल और व्रज पटेल ने 99.05 परसेंटाइल प्राप्त किए।

परिणामों की घोषणा नेशनल टेस्टिंग द्वारा कल रात की गई। इस साल होने वाली इंजीनियरिंग के लिए चार संयुक्त प्रवेश परीक्षा में से यह दूसरी परीक्षा थी ।

प्रभावशाली उपलब्धि पर छात्रों को बधाई देते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (श्वस्र्) के मैनेजिंग डायरेक्टर, आकाश चौधरी ने कहा, "यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि सूरत से हमारे सात छात्रों ने छ्वश्वश्व 2021 के पहले सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हमारे छात्रों की मेहनत का श्रेय, उनके माता-पिता और प्रशिक्षकों के समर्थन को जाता है जिन्होंने उनकी पूरी यात्रा में छात्रों का मार्गदर्शन किया है। हमारी गुणवत्ता परीक्षण तैयारी छात्रों को मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण करने के लिए प्रसिद्ध है। मैं उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। "

छात्रों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय कड़ी मेहनत और आकाश इंस्टीट्यूट के आईआईटी-जेईई प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान की गई उत्कृष्ट कोचिंग को दिया, जिसे दुनिया में सबसे कठिन माना जाता है। जेईई मेन्स परीक्षा एनआईटी, आईआईआईटी और सीएफटीआई में प्रवेश के लिए लागू होती है।

सरकार अगले सप्ताह पेश करेगी लव जिहाद के खिलाफ कानून

धोखा देकर किसी धर्म की लड़की से विवाह कर धर्म परिवर्तन कराने पर पांच साल की सजा व दो लाख रुपये जुर्माना

अहमदाबाद । गुजरात सरकार चालू बजट सत्र में लव जिहाद के खिलाफ कानून (गुजरात धर्म स्वतंत्रता सुधार विधेयक २०२१) पेश करेगी। इसके तहत बहला फुसलाकर या धोखे से युवती से विवाह कर उसका धर्म परिवर्तन कराने पर पांच साल तक की सजा व दो लाख रुपये का जुर्माना होगा । नाबालिग लड़की के मामले में सजा सात साल तथा जुर्माना तीन लाख रुपये का होगा। गुजरात में वर्ष २००३ में गुजरात फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट बनाया गया था, जिसमें २००६ में पहली बार संशोधन किया गया। गुजरात सरकार चालू बजट सत्र में गुजरात धर्म स्वतंत्रता सुधार विधेयक २०२१ लाने वाली है । इसके तहत बहला-फुसलाकर या धोखा देकर किसी धर्म की लड़की से विवाह कर उसका धर्म परिवर्तन कराने पर पांच साल की सजा व दो लाख रुपये जुर्माना हो सकता है। लड़की नाबालिग हो तो सजा सात साल की होगी तथा तीन लाख रुपये का जुर्माना का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति की लड़की के धर्म परिवर्तन के मामले में भी सात साल तक की सजा का प्रावधान रखा जाएगा । बजट सत्र आगामी एक अप्रैल तक है । होली के बाद लव जिहाद के खिलाफ गुजरात सरकार का यह संशोधित कानून पेश किया जाएगा ।

गौरतलब है कि बजट सत्र के प्रारंभ में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी तथा गृह राज्यमंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने स्पष्ट कर दिया था कि इसी बजट सत्र में लव जिहाद के खिलाफ गुजरात सरकार सख?त कानून लाने वाली है।

पुराने कानून को सख?त बनाकर समाज में होने वाले इस तरह के घृणित अपराध पर अंकुश लगाया जाएगा। गत स?थानीय निकाय चुनाव में भी लव जिहाद का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया था । गुजरात में २०२२ में विधानसभा चुनाव भी होंगे। भाजपा प्रदेश में इस मुद्दे को जोर शोर से उठा रही है। गत दिनों गुजरात के सीएम विजय रूपाणी ने कहा था कि कोरोना संकट के बावजूद इस बार विधानसभा सत्र पूरा चलेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)